



संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वीं सत्र में मान लैने के लिए ब्यूरोफ़ॉर्म जोडो समस्त मुख्य स्वर्द्ध अंडु पर रिटो नवीं एस्. जयदरकर का समुद्र मुकुट कुमार ने खताम किया।

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सुविचार

केवल यश और नाम वाले की कोई प्रतिभा नहीं होती।
- यजुर्वेद

■ भोपाल, मंगलवार 22 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 102 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

10 रुपये के छुटे पर ऑटो चालक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के राजैनगर थाना क्षेत्र में महज 10 रुपये के छुटे पैसों को लेकर हुए विवाद में एक ऑटो-रिक्शा चालक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दिल दहला देने वाली यह वारदात रविवार शाम वृषाफ़्सी इलाके में हुई, जहां कुछ दहशतियों ने ऑटो चालक को उसकी मासूम बच्ची के सामने ही शूट कर गिराकर बुरी तरह पीटा। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया है। मृतक चालक की पहचान वृषाफ़्सी निवासी 42 वर्षीय मोहम्मद मुकर्रम के रूप में हुई है। स्थानीय एआईएमआईएम विधायक मोहम्मद मुबीन ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और घटना की जानकारी ली। विधायक के अनुसार, मुकर्रम का कुछ परिचित युवकों के साथ किराए के सड़के पैसों को लेकर विवाद शुरू हुआ था। आरोपियों ने 200 रुपये का नोट दिया था, लेकिन चालक के पास 10 रुपये छुटे नहीं थे। इसी मामली बात पर पहले गाली-गलौज हुई और फिर देखते ही देखते आरोपियों ने मुकर्रम पर लात-घुंसों की बरसात कर दी। विधायक मोहम्मद मुबीन ने मीडिया को बताया कि हमलावरों ने इलाके के कुख्यात हिस्ट्रीशीट अजीम, सोहेब और उनके अन्य साथी शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी पूरे इलाके में दहशत फैलाते हैं और गुंडागर्मी करते हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने महंगाई को लेकर सरकार पर कसा तंज

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि देश में खाद्य पदार्थों और रोजगार की जरूरतें बढ़ती हैं और रोजगारों में लगातार बढ़ोतरी के बावजूद मोदी सरकार महंगाई पर चुप है। उन्होंने कहा कि दाल, मसाले, खाद्य तेल और प्याज के बढ़ते दामों ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रमेश ने सरकार से महंगाई पर तत्काल सख्त कदम उठाकर आम जनता को राहत देने की मांग की है। रमेश ने सोमवार को एक्स पर पिछले एक महीने में मसालों की कीमतों में 10 से 25 फीसदी तक बढ़ोतरी का दावा किया। उन्होंने कहा कि छेदी इलायची 4,000 रुपये से बढ़कर 4,400 रुपये, बड़ी इलायची 2,400 से 2,800 रुपये, जौड़ा 360 से 400 रुपये और जवित्री 2,500 से बढ़कर 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम से गई है। उन्होंने कहा कि अदरक दाल 100 रुपये से बढ़कर 130 रुपये,चना दाल 70 से 100 रुपये और उड़द दाल 120 से बढ़कर 140 रुपये प्रति किलो से गई है। इसी तरह सरसों तेल 190 रुपये से बढ़कर 210 रुपये और साफेला तेल 240 से बढ़कर 280 रुपये प्रति लीटर लेने का दावा किया। रमेश ने कहा कि जून से सितंबर के बीच प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 29.50 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 53.78 रुपये प्रति किलो से गई। उन्होंने इसे करीब 82.3 फीसदी की बढ़ोतरी बताते हुए कहा कि महंगाई के कारण गरीब परिवारों के घरों में दाल और जरूरी खाद्य सामग्री पहुंच से बाहर हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को अनियंत्रित महंगाई पर तत्काल सख्त कदम उठाने चाहिए।

नीब करौरी बाबा की आध्यात्मिक यात्रा को जन-जन तक पहुंचाना सराहनीय : अमित शाह

फिल्म 'हनुमान अंश' के कलाकारों और निर्माण टीम ने केंद्रीय गृहमंत्री शाह से की भेंट

नई दिल्ली(एजेंसी)। बाबा नीब करौरी के जीवन पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' के कलाकारों और निर्माण टीम ने सोमवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। शाह ने बाबा नीब करौरी की आध्यात्मिक यात्रा भगवान हनुमान के प्रति उनकी अनन्य भक्ति को सिनेमा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने के प्रयास की सराहना की। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आज नई दिल्ली में बाबा नीब करौरी जी के जीवन पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' के कलाकारों से भेंट की। उन्होंने कहा कि बाबा नीब करौरी जी की आध्यात्मिक यात्रा और हनुमान जी के प्रति उनकी अनन्य भक्ति को सिनेमा के



माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास सराहनीय है। उन्होंने इसके लिए फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी। मुलाकात के दौरान फिल्म में लक्ष्मी नारायण शर्मा/नीब करौरी बाबा (महाराज जी) की भूमिका निभाने वाले शोभिनव सत्या, फिल्म के निर्देशक एवं लेखक डॉ. विशाल चतुर्वेदी, निर्माता रागिनी सोना और गीतकार साधु तिवारी सहित

फिल्म की टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 'हनुमान अंश' बाबा नीब करौरी के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा पर केंद्रित फिल्म है। बाबा नीब करौरी जी 20वीं सदी के प्रमुख आध्यात्मिक संतों में माने जाते हैं और भगवान हनुमान के प्रति उनकी अनन्य भक्ति के लिए विशेष रूप से श्रद्धा के साथ स्मरण किए जाते हैं। इस

अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा फिल्म हनुमान अंश जीवन में देखा देने वाली है,इसे प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा चाहिए,उन्होंने कहा यह फिल्म आपके जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान का संचार करेगी। वहीं प्रिया नागर फिल्म की सफलता के बाद अयोध्या पहुंची हैं। उन्होंने यहां पर श्रीराम जन्मभूमि में श्री रामलला एवं वनमानगढ़ी के हनुमंत लला के दर्शन पूजन किए। उन्होंने संतों से मुलाकात कर आशीर्वाद भी लिया। दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात की। अनुप्रिया नागर ने महंत नृत्य गोपाल दास से आशीर्वाद प्राप्त किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि रामलला के दर्शन करना उनके लिए बेहद भावुक और सौभाग्य का पल है।



केरल में फिर आई आसमानी आफत,बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

मलप्पुरम ,(एजेंसी)। केरल में मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। मलप्पुरम जिले के निलंबूर क्षेत्र में अचानक आई भीषण बाढ़ और इडुक्की में हुए भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में अब तक कुल 7 लोगों की मौत हो चुकी है। मलप्पुरम में बाढ़ के तेज बहाव में बड़े 6 लोगों में से 5 के शव बरामद कर लिए गए हैं,जबकि एक लापता महिला की तलाश में बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नदी में अचानक उपान से बड़े 6 लोग,पनडीआरएफ का सच ऑपरेशन जारी है।

अटल जी ने सत्ता और विपक्ष,दोनों की राजनीतिक मर्यादाओं का दिया मार्गदर्शन : सीएम डॉ.यादव

सत्ता तो आती-जाती रहती है, देश और लोकतंत्र बने रहना चाहिए



गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा। सूखे की समस्या समाप्त करने के लिए उन्होंने देश की नदियों को आपस में जोड़ने का विचार दिया। स्व.श्री अटलजी के लिए भारत एक जीता-जागता राष्ट्रपुरुष था। श्री सोलंकी ने कहा कि आज भारत की जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत की गति से आगे बढ़ रही है। यह दुनिया में चीन और अमेरिका से भी अधिक है।

डॉ.यादव ने सोमवार को गांवोंदपुरा औद्योगिक प्रक्षेत्र स्थित निजी प्रतिष्ठान के परिसर में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने इस निजी प्रतिष्ठान के मोनो का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री अटल जी का सम्पूर्ण

जीवन देशसेवा और जनसेवा को समर्पित रहा। उनके व्यक्तित्व में लोककल्याण और राजनीतिक शुचिता ही सदैव अटल रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में

शुचिता, विचारों में दृढ़ता और व्यवहार में सौम्यता, इन तीन महान गुणों का संगम अटल जी के व्यक्तित्व की पहचान थी। उन्होंने कहा कि अटल जी ने सत्ता और

विपक्ष, दोनों में लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी यह सीख आज भी प्रासंगिक है कि सत्ता आती-जाती रहती है, सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन देश और लोकतंत्र बने रहना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के दिखाए रास्ते, उनके राष्ट्रवाद और सुशासन के मॉडल को अपनाया ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर में रहते हुए किस प्रकार का आचरण होना चाहिए और विपक्ष में रहते हुए राजनीतिक मर्यादाओं का पालन कैसे किया जाता है।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के रास्ते पर चल पड़ा है : नवीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मेरठ में जनसभा को किया संबोधित

मेरठ,(एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आज सोमवार 21 सितंबर को कहा कि बीजेपी सरकार के तहत उत्तर प्रदेश में भरोसे का माहौल है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून का राज है,उन्होंने इसकी तुलना पहले के अनिश्चितता और विकास के रुके होने के दौर से की। मेरठ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि आज हम कह सकते हैं कि बीजेपी सरकार के तहत भरोसे का माहौल है; एक समय था जब यहाँ अनिश्चितता का माहौल था। आज हम कह सकते हैं कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून का राज है। एक समय था जब यहाँ विकास रुक गया था-ठप पड़ गया था-लेकिन आज हम कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश विकास के रास्ते पर चल पड़ा है



और एक विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर बाबा साहेब अंबेडकर का कभी सम्मान न करने और उनकी सरकारों को गिराने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। नवीन था जब यहाँ विकास रुक गया था-ठप पड़ गया था-लेकिन आज हम कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश विकास के रास्ते पर चल पड़ा है

कांग्रेस पार्टी ने उन्हें कभी सम्मान नहीं दिया; इसके बजाय, उन्होंने उनकी सरकारों को गिराने का काम किया। अभी भी, समाजवादी पार्टी के नेता पूरे उत्तर प्रदेश में घूम रहे हैं और एक बार फिर राज्य को बांटने की कोशिश कर रहे हैं।अंग्रेज चले गए, लेकिन उनकी फूट डालो और राज करो की नीति को पहले कांग्रेस ने और बाद में समाजवादी

पार्टी ने अपनाया हुआ है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन आगामी विधानसभा चुनावों से पहले 21 और 22 सितंबर को उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उनके कार्यक्रम में संगठनात्मक बैठकें, सार्वजनिक कार्यक्रम और चुनाव की तैयारियों से जुड़ी कॉन्फ्रेंस शामिल हैं। वे आशीर्वाद लेने के लिए ऐतिहासिक स्थलों और प्रमुख मंदिरों का दौरा करने की योजना बना रहे हैं,जो सेवा,समर्पण और आस्था के प्रति झुकक की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 22 सितंबर को, वे मेरठ में प्रमुख हस्तियों और प्रतिष्ठित नागरिकों से मिलेंगे और उसके बाद प्रार्थना के लिए औषडनाथ मंदिर जाएंगे। मेरठ में जनसभा को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भरोसे का माहौल और कानून का राज है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर राज्य को बांटने की राजनीति का आरोप लगाया।

भाजपा कार्यालय और सोमनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की मिली धमकी

जांच में जुटी एजेंसियां,अज्ञात व्यक्ति ने ई-मेल के माध्यम से धमकी दी

अहमदाबाद,(एजेंसी)। गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों, भवनों को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। अज्ञात व्यक्ति ने ई-मेल के माध्यम से धमकी दी है। ई-मेल की शुरुआत 'अस्सलामु अलैकुम, अल्लाहु अकबर' लिखकर की गई है। यह ई-मेल सबसे पहले पंजाब पुलिस को मिला था, जिसके बाद पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने गुजरात पुलिस को इसकी जानकारी दी। इस धमकी भरे ई-मेल में सोमनाथ मंदिर, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, भाजपा के केंद्रीय कार्यालय, पुलिसकर्मीयों और रां एजेंसी को निशाना बनाने का उल्लेख किया गया है। ई-मेल में अलग-अलग स्थानों पर पहले से बम फिट किए जाने का दावा भी किया गया है। संदेश के अंत में



फिर से 'अल्लाहु अकबर' लिखा गया है। ई-मेल में आपत्तिजनक और आतंकी गतिविधियों से जुड़े शब्दों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही 'पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसे नारे लिखे जाने की बात सामने आई है। धमकी मिलने के बाद राज्य की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है तथा जांच शुरू कर दी गई है। धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद खानपुर स्थित भाजपा कार्यालय में पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। बम निरोधक दस्ते और पुलिस की टीमों को भाजपा कार्यालय भेजा गया तथा परिसर की जांच की गई। शहर के मेयर हितेश बारोट और शहर भाजपा अध्यक्ष उमंगभाई नायक भी भाजपा कार्यालय पहुंचे। अहमदाबाद के शाहपुर पुलिस थाने के पीआई पी.बी. खांभला ने बताया कि धमकी वाले ई-मेल के बाद जांच की गई। बम निरोधक दस्ते और डॉन स्कॉड की मदद से परिसर की तलाशी ली गई, लेकिन जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, इससे पहले 10 सितंबर को विधानसभा, गांधीनगर स्थित गुजरात उच्च न्यायालय और अहमदाबाद के स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने की जानकारी सामने आई थी। लगातार मिल रही ऐसी धमकियों के बाद सुरक्षा में एजेंसियां ई-मेल के स्रोत और इसके पीछे मौजूद व्यक्ति का पता लगाने में जुटी हैं।

फर्जी सिम और आईएमआई से छेड़छाड़ पर तीन साल तक की जेल

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी करने,दूरसंचार पहचानकर्ताओं के दुरुपयोग और मोबाइल फोन के आईएमआई नंबर से छेड़छाड़ को गंभीर अपराध बताते हुए नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने सोमवार को कहा कि ऐसे मामलों में तीन साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। दूरसंचार मंत्रालय के अनुसार, छत्तीसगढ़ में एक 'व्हाइट ऑफ सेल (पीओएस) एजेंट द्वारा लोगों के पहचान दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उनका जानकारी या सहमति के बिना 25 मोबाइल कनेक्शन सक्रिय किए जाने का मामला सामने आया। जांच के बाद संबंधित पीओएस एजेंट को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। संदिग्ध मोबाइल कनेक्शनों का सत्यापन कराया गया और सत्यापन में असफल पाए गए नंबरों को बंद कर दिया गया।

मलप्पुरम में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन, 7 लोगों की दर्दनाक मौत



केरल में फिर आई आसमानी आफत,बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

मलप्पुरम ,(एजेंसी)। केरल में मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। मलप्पुरम जिले के निलंबूर क्षेत्र में अचानक आई भीषण बाढ़ और इडुक्की में हुए भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में अब तक कुल 7 लोगों की मौत हो चुकी है। मलप्पुरम में बाढ़ के तेज बहाव में बड़े 6 लोगों में से 5 के शव बरामद कर लिए गए हैं,जबकि एक लापता महिला की तलाश में बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नदी में अचानक उपान से बड़े 6 लोग,पनडीआरएफ का सच ऑपरेशन जारी है।

पहाड़ी इलाकों में कल रविवार शाम हुई भारी बारिश के बाद करीब साढ़े चार बजे चोक्कड़ नदी का जलस्तर अचानक विकराल रूप से बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लोग बह गए थे। राज्यस् मंत्री ए.पी.अनिल कुमार ने बताया कि रविवार रात दो शव बरामद किए गए थे,वहीं सोमवार सुबह राहत टीमों ने तीन और शव बाहर निकाले। राज्य सरकार के निर्देश पर एनडीआरएफ, फायर एंड रेस्क्यू सर्विस और स्थानीय बचाव दल नदी के बहाव क्षेत्र में लापता महिला की तलाश में जुटे हुए हैं। स्थानीय विधायक आर्यदान शोकेत ने भी मौक पर पहुंचकर राहत कार्यों का जायजा लिया। दूसरी तरफ,इडुक्की के वट्टावाड़ा क्षेत्र स्थित कोट्टक्कम्बुर में लगातार बारिश के चलते भयानक लैंडस्लाइड हुआ। पहाड़ी का मलबा सीधे एक घर पर आ गिरा,जिसके नीचे दबने से बालकृष्णन और उनकी बहन चिन्नु की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में बालकृष्णन की पत्नी गंधीरा रूप से घायल हो गई, जिन्हें ग्रामीणों ने मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय प्रशासन यह भी जांच कर रहा है कि कहीं हादसे के दौरान बिजली का करंट लगने से मौत तो नहीं हुई।



आमजन से जुड़े मामलों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए: कलेक्टर डॉ. सोनवणे



सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निदेश

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित समयसीमा की बैठक में लंबित शिकायतों समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की विभागवार विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ.सोनवणे ने सभी विभागीय अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने

सभी अधिकारियों को 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला बाल विकास, जल संसाधन, स्कूल शिक्षा, परिवहन सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को हिदायत दी कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राजस्व विभाग को लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में सीएम

हेल्पलाइन प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग वार लंबित पेंशन के प्रकरणों की भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने लंबित शिकायतों के निराकरण की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। शिकायतों में लापरवाही पर भैंसदेही तहसीलदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने आई और संबंधित अधिकारियों को निर्माणाधीन सड़कों का निरीक्षण करने और निर्माण कार्य की लागत, कार्य किस मद से हो रहा है का फॉलोअप करने के निर्देश दिए। टीएल बैठक में कलेक्टर डॉ सोनवणे ने जिले में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में जहां-जहां टावर लगे वहां नेटवर्क व्यवस्था दुर्गुस्त रहे। इस दौरान उन्होंने संबंधित नोडल अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता, कनेक्टिविटी तथा नेटवर्क से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने नेटवर्क से वंचित क्षेत्रों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने निरीक्षण संबंधी लापरवाही पाए जाने पर डीडीओ हॉर्टिकल्चर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान-2026 ‘सेवा मेरा योगदान’ से जन-भागीदारी को मिलेगा बढ़ावा

रायसेन। मध्यप्रदेश में सेवा संकल्प अभियान-2026 को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप देने के लिए ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 2 से 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं, युवा समूहों, महिला समूहों, शैक्षणिक संस्थाओं, सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता से सेवा, स्वच्छता, सामाजिक उत्तरदायित्व और जन-जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। कार्यक्रम का नोडल विभाग योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग है। प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान में नागरिकों को केवल शासकीय योजनाओं के लाभार्थी के रूप में



नहीं, बल्कि अपने गांव, नगर और समाज के विकास में सक्रिय सहभागी बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक जिले में नोडल

अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। 25 गतिविधियों में से हर जिले में होंगी कम से कम 10 गतिविधियां ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के लिए 25 प्रमुख सेवा

गतिविधियां चिन्हित की गई हैं। प्रत्येक जिला स्थानीय आवश्यकता और परिस्थितियों के अनुरूप इनमें से कम से कम 10 गतिविधियों का चयन कर उनका आयोजन करेगा। इन गतिविधियों में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। नागरिक और संस्थाएं अपनी सहभागिता के फोटो, वीडियो और रोल भी निर्धारित डिजिटल माध्यमों पर साझा कर सकेंगे। आंगनवाड़ी से लेकर जल संरक्षण तक सेवा का व्यापक दायरा अभियान अंतर्गत ‘आंगनवाड़ी का सेवा उजाला’ के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार और बच्चों एवं माताओं के लिए बेहतर वातावरण निर्माण में जनसहयोग लिया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान की विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने की विस्तृत समीक्षा

बैतूल। प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बैतूल श्री हेमंत खंडेलवाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अभियान के तहत आयोजित होने वाले ‘मेरे सपनों का भारत’, ‘नमो सेवा-अनकहीं कहानियां’, ‘सेवा की कहानी’, ‘वडनगर से वाराणसी यात्रा’, ‘आंगन मिलन सेवा’ एवं ‘सेवा कलश यात्रा’ सहित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी ली। विधायक श्री खंडेलवाल ने सभी गतिविधियों का व्यापक एवं प्रभावी ढंग से आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यक्रम को संबंधित नोडल विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों को सफल बनाएं। वडनगर से वाराणसी यात्रा के संबंध में उन्होंने मार्ग, स्वागत, ठहराव, भोजन, सुरक्षा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं समुचित रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में विधायक श्री खंडेलवाल ने अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति बस्ती विकास योजना के प्रस्तावित कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत केवल सामान्य निर्माण कार्यों के स्थान पर आवश्यकतानुसार डेडिकेटेड अधोसंरचना, जैसे हॉस्टल, स्कूल एवं अन्य उपयोगी संस्थागत भवनों के कार्य चिन्हित कर प्राथमिकता के साथ प्रस्तावित किए जाएं।



मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के आयोजन के संबंध में बैठक की।

प्रमुख सचिव मप्र शासन जेल विभाग श्री गुप्ता ने निर्माणाधीन नवीन जिला जेल का किया निरीक्षण

बैतूल। प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन जेल विभाग श्री मुकेश चन्द्र गुप्ता सोमवार को जिला जेल बैतूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल के अधिकारियों के साथ निर्माणधीन नवीन जिला जेल का भी निरीक्षण कर निर्माण कार्य की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। प्रमुख सचिव महोदय श्री गुप्ता जिला जेल बैतूल में बंदियों की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालयीन पेशियों की व्यवस्था का अवलोकन किया गया एवं निर्देश दिये गये कि सभी बंदियों की न्यायालयीन पेशिया प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाए। प्रमुख सचिव महोदय द्वारा ई-प्रिजन्स के माध्यम से डाटा संधारण व्यवस्था का अवलोकन किया गया तथा

साथ ही जिला जेल में संचालित उद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र का अवलोकन किया गया तथा उसे प्रभावी रूप से संचालित किये जाने के निर्देश दिये गये। प्रमुख सचिव श्री गुप्ता द्वारा मध्य प्रदेश गृह निर्माण मण्डल की प्रदीप कड़वे तथा प्रोजेक्ट मैनेजर श्री ककड़े के साथ नवनर्मित जिला जेल का निरीक्षण कर मध्य प्रदेश गृह निर्माण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बैतूल श्री वीरेंद्र जैन, सर्किल जेल अधीक्षक नर्मदापुरम श्री संतोष सोलंकी, श्री प्रकाश पंजवानी उपयंत्री तथा प्रोजेक्ट मैनेजर श्री ककड़े उपस्थित रहे।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

क्लासीफाईड विज्ञापन दरें

150/- रुपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

स्क्रीम

2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान

सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703

मात्र 1500/- रुपये में पूरे एक माह चलायें



मेरा युवा भारत रायसेन की जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

रायसेन। मेरा युवा भारत (MY Bharat) रायसेन की जिला सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें मेरा युवा भारत द्वारा संचालित विभिन्न युवा-केंद्रित कार्यक्रमों एवं आगामी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने मेरा युवा भारत रायसेन की गतिविधियों के प्रभावी आयोजन हेतु अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आगामी सभी कार्यक्रमों में विभागों एवं मेरा युवा भारत के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए टीम भावना के साथ कार्य किया जाए, ताकि जिले में संचालित युवा-केंद्रित गतिविधियों का प्रभाव अधिक व्यापक हो सके। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करने तथा सभी विभागों द्वारा अपने दायित्वों का प्रभावी रूप से निर्वहन करने के निर्देश दिए।

होटल रॉयल दमयंती पैलेस ह्रादसे की जांच के लिए चार सदस्यीय दल गठित

रायसेन। मध्य प्रदेश के दमोह स्थित होटल रॉयल दमयंती पैलेस में शनिवार को कैटरिंग कार्य के दौरान गैस सिलेंडर से हुई अग्नि दुर्घटना को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। घटना की परिस्थितियों, संभावित कारणों, अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा आयोजन के दौरान बरती गई सावधानियों की तथ्यात्मक जांच के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के आदेश पर चार सदस्यीय जांच दल गठित किया गया है। जांच दल में अनुविभागीय दंडाधिकारी दमोह, नगर पुलिस अधीक्षक/अनुविभागीय पुलिस अधिकारी दमोह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद दमोह तथा जिला आपूर्ति अधिकारी दमोह को शामिल किया गया है। प्रशासन द्वारा गठित दल को घटना की विस्तृत, निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच कर संयुक्त हस्ताक्षर से जांच प्रतिवेदन तीन दिवस के भीतर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दमोह के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के दौरान अग्नि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का परीक्षण किया जाएगा।

सौर ऊर्जा से ग्राम उत्तरी के आदिवासी बाहुल्य ढानों में पहुंचा घर-घर पेयजल, 760 ग्रामीणों को जल संकट से मिली राहत



बैतूल। जिला मुख्यालय से करीब 95 किलोमीटर दूर विकासखंड भीमपुर की ग्राम पंचायत डोडाखान के ग्राम उत्तरी एवं इसके बराढ़ाना, गोरुढाना और पटेलढाना में लंबे समय से पेयजल संकट की समस्या बनी हुई थी। आदिवासी बाहुल्य इन ढानों के करीब 760 ग्रामीण पेयजल एवं निस्तारी जल के लिए कुएं, नदी, झिरिया तथा गांव में स्थापित दो हैंडपंपों पर निर्भर थे। गर्मी के मौसम में जलस्तर नीचे जाने से ग्रामीणों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ता था। पानी की व्यवस्था में ग्रामीण महिलाओं के साथ विद्यार्थियों का भी

काफी समय व्यतीत होता था। इसके कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी। वहीं मजदूर वर्ग को भी पानी के ईंतजाम में समय लगने से मजदूरी एवं अन्य कार्यों के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता था। गांव में विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण सामान्य नल-जल आयोजना स्थापित करना भी चुनौतीपूर्ण था। साथ ही अधिक गहराई पर जलस्तर होने से हैंडपंप स्थापित करना भी संभव नहीं था। सौर ऊर्जा से पेयजल योजना का निकास समाधान वर्ष 2024 की गर्मी में जल संकट गंभीर होने पर ग्रामीणों की समस्या विभाग एवं जिला प्रशासन के संज्ञान

बैतूल के सभी ब्लॉकों में सिरपुर पैटर्न के एक-एक मिनी वाटरशेड चिन्हित कर अक्टूबर तक शुरू करें जल संरक्षण कार्य : विधायक श्री खंडेलवाल

बैतूल। बैतूल में सिरपुर पैटर्न के सफल प्रयोग को देखते हुए जिले के सभी विकासखंडों में जल संरक्षण के लिए एक एक मिनी वाटरशेड उपयुक्त स्थान चिन्हित कर अक्टूबर तक कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बैतूल श्री हेमन्त खंडेलवाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। बैठक में विधायक श्री खंडेलवाल के आग्रह पर प्रोजेक्ट डायरेक्टर वाटर कंजर्वेशन एवं सिरपुर पैटर्न के विशेषज्ञ श्री एस.बी. खानापुरकर बैतूल आए और उन्होंने महाराष्ट्र के सिरपुर में जल संरक्षण के सफल प्रयोग तथा बैतूल में इसके माध्यम से जल समस्या के स्थायी समाधान की

संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि स्थानीय भूगर्भीय संरचना और जल प्रवाह का वैज्ञानिक अध्ययन करते हुए जल संरक्षण के कार्य किए जाएं तो बारिश के पानी को अधिक से अधिक रोककर भूजल पुनर्भरण किया जा सकता है। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि सिरपुर पैटर्न का मूल उद्देश्य बारिश के पानी को तेजी से बह जाने से रोकना, उसे जल संरचनाओं में संग्रहित करना तथा एक्रिफर (भूजल भंडार) में रिचार्ज करना है। इसके लिए क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना का विस्तृत अध्ययन कर तकनीक आधारित जल संरक्षण कार्य किए जाने पर जोर दिया गया। प्रस्तुतीकरण के अनुसार मौसमी नालों एवं जलधाराओं

को जल संरक्षण के विभिन्न उपायों के माध्यम से अधिक स्थायी जलधारा में परिवर्तित करने तथा जल स्तर में वृद्धि का लक्ष्य रखा जाता है। साथ ही पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को भी इस मॉडल का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि भूगर्भीय अनुकूलता के आधार पर बंधानों/चेक डैम की दूरी 200 से 300 मीटर की रखी जा सकती है। इसके साथ ही तकनीकी रूप से उपयुक्त पूरे जलग्रहण क्षेत्र में कंटूर कंट्रोल ट्रेंच जैसे जल संरक्षण कार्य किए जाने की अवधारणा बताई गई।मिनी वाटरशेड के उदाहरण के माध्यम से प्रत्येक जलधारा पर उसकी ढाल और स्थानीय परिस्थितियों के

अनुसार चेक डैम बनाने, उनके ऊपरी हिस्से में जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने तथा संरचनाओं को वैज्ञानिक तरीके से विकसित करने की जानकारी दी गई। प्रस्तुतीकरण में यह भी बताया गया कि वर्षा ऋतु के बाद खुदाई एवं जल संग्रहण से संबंधित कार्यों के माध्यम से प्रत्येक चेक डैम में बड़ी मात्रा में पानी का संचयन संभव है। इससे भूजल पुनर्भरण के साथ आसपास के क्षेत्र में पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सिंचाई, पेयजल और उद्योग के लिए उपयोगी विशेषज्ञ ने सिरपुर पैटर्न को सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए स्थायी जल उपलब्धता की दिशा में उपयोगी बताया।

दुर्गापूजा से पहले एक फिर कोलकाता आगंगी लेखिका तसलीमा नसरीन कोलकाता। दुर्गापूजा से पहले साहित्य जगत में एक बार फिर हलचल होने वाली है। 'लज्जा', 'द्विखंडित' और 'मेयबेला' जैसी चर्चित कृतियों की लेखिका तसलीमा नसरीन एक बार फिर कोलकाता आने वाली हैं। करीब दो महीने के अंतराल के बाद तसलीमा मंगलला के समय एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शहर पहुंचेगी। इस दौरान उनके कई दिनों तक कोलकाता में रहने की संभावना है।

दैनिक साष्ट्रीय गरिमा



www.rashtriya garima.com

भोपाल, मंगलवार 22 सितम्बर 2026

हिंदी युवा नाटकारों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है :सुमन कुमार नई दिल्ली। संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव सुमन कुमार ने यहां कहा कि हिंदी युवा नाटकारों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जो हर्ष की बात है। कुमार ने यह बात शनिवार को दिल्ली स्थित श्री राम सेंटर के सामने संगना बुक्स के स्टॉल 'साहित्य के पेड़' पर आयोजित वरिष्ठ रंगकर्मी एवं नाटककार आलोक शुक्ला के चौथे नाट्य संवाह "पतझड़ के फूल और देखोना" पुस्तक का लोकार्पण के अवसर पर कही।

हामिद अंसारी के नेहरू के हवाले से दिए बयान पर सियासी विवाद तेज

भाजपा और इमाम संगठन से जुड़े नेताओं ने भी बयान से असहमति जताई

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के एक पुराने कथन का हवाला देते हुए भारत के लिए साम्यवाद के बजाय हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता को खतरा बताए जाने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। अंसारी ने यह बात नई दिल्ली में आयोजित ए.जी. नूरानी स्मृति व्याख्यान के दौरान कही। उन्होंने संविधान विशेषज्ञ एवं लेखक ए.जी. नूरानी की वर्ष 2019 में प्रकाशित पुस्तक 'द आरएसएस = ए मेनेस टू इंडिया' का उल्लेख करते हुए नेहरू के कथित



विचार को सामने रखा। अंसारी के अनुसार, नूरानी ने अपनी पुस्तक की भूमिका में विदेश

मंत्रालय के अधिकारियों की एक बैठक के संदर्भ में नेहरू के कथन का उल्लेख किया था। अंसारी ने इसी संदर्भ में कहा कि नेहरू के अनुसार भारत के लिए खतरा साम्यवाद नहीं, बल्कि हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता थी। उन्होंने अपने संबोधन में नागरिक राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बीच अंतर तथा देश में धार्मिक पहचान से जुड़े राजनीतिक विमर्श पर भी चिंता व्यक्त की। विश्व हिंदू परिषद के नेता विनोद बंसल ने अंसारी के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भारत का बहुसंख्यक हिंदू समाज देश के लिए खतरा नहीं है। बंसल ने आरोप लगाया कि देश के सामने चुनौती उन विचारों से है, जो बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक

समुदायों के बीच विभाजन को बढ़ावा देते हैं। विहिप की ओर से अंसारी के उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए कुछ संगठनों के कार्यक्रमों में उनकी कथित मौजूदगी का भी उल्लेख किया गया। इन आरोपों पर अंसारी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विहिप के प्रवक्ता सुरेंद्र जैन ने भी अंसारी की टिप्पणी की आलोचना की है। भाजपा नेताओं ने भी अंसारी के बयान की आलोचना की। भाजपा नेता शहनवाज हुसैन ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया हुए कहा कि देश में शांति और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की जरूरत है और ऐसे बयानों से बचना चाहिए। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि विभाजन के बाद भारत ने

स्वयं को धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में आगे बढ़ाया और विभिन्न धर्मों के लोग यहां साथ रहते हैं। वहीं भाजपा नेता करुणासागर ने कहा कि यदि कट्टरता की चर्चा की जा रही है तो सभी प्रकार के आतंकवाद और उग्रवाद की समान रूप से निंदा की जानी चाहिए। भाजपा ने भी अंसारी की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस की राजनीति पर सवाल उठाए हैं। हालांकि अंसारी ने अपने संबोधन में उक्त कथन को स्वयं का मूल विचार बताया हुए प्रस्तुत करने के बजाय नेहरू के पुराने कथन और नूरानी की पुस्तक के संदर्भ में रखा था। अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमैर अहमद इलियासी ने भी अंसारी के बयान की आलोचना की।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन आज करेंगे नौवें अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का उद्घाटन

भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का विषय जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन रखा गया

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के बीच जल सुरक्षा और जल प्रबंधन को अधिक सक्षम बनाने पर केंद्रित 9वां भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह कल मंगलवार (22 सितंबर) से शुरू होगा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 22 सितंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। पांच दिवसीय आयोजन में जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन, जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग, तकनीक, वित्तपोषण और सामुदायिक भागीदारी के जरिए जल सुरक्षा को मजबूत करने पर मंथन होगा। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के तत्वावधान में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग संगठनों, विकास साझेदारों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के सहयोग से 22 से 26 सितंबर तक भारत मंडपम में इसका आयोजन का किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। इस



वर्ष भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का विषय जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन रखा गया है। आयोजन में नीति-निर्माताओं, वैश्विक जल क्षेत्र के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, जल प्रबंधन से जुड़े पेशेवरों, उद्योग प्रतिनिधियों, नागरिक समाज, स्टार्टअप और युवाओं को संवाद एवं अनुभव साझा करने का मंच मिलेगा। नीदरलैंड और जर्मनी आयोजन के साझेदार देश होंगे। इनके अलावा भारत के 14 राज्य साझेदार राज्य के रूप में हिस्सा लेंगे। छह केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को भी

साझेदार मंत्रालय एवं विभाग के रूप में शामिल किया गया है। इससे जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन के लिए केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग तथा विभिन्न क्षेत्रों के बीच समन्वय को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा। आयोजन के दौरान 10 प्रमुख मंचों पर चर्चा होगी। इनमें मंत्रिस्तरीय पूर्ण सत्र, वैश्विक जल नेताओं के पूर्ण सत्र, देश विशेष मंच, जल नेताओं के मंच, जल क्षेत्र के पेशेवरों के मंच, विषय आधारित मंच, स्टार्टअप मंच, युवा मंच, औद्योगिक मंच और विभिन्न

साइड इवेंट शामिल हैं। चर्चा के लिए सात प्रमुख उप-विषय तय किए गए हैं। इनमें समावेशी और समान जल शासन, जल संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए सहयोग, जल सुरक्षा के लिए तकनीक और समुदाय की भूमिका, जल एवं जलवायु संबंधी जोखिम, जल बुनियादी ढांचे के लिए नवीन वित्तीय मॉडल और आधुनिकीकरण, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन तथा लोगों और पर्यावरण के लिए जल शामिल हैं। 22 से 25 सितंबर तक चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। इसमें टिकाऊ और जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन से जुड़ी नई तकनीकों, उत्पादों और समाधानों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसी दौरान पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से 22 से 24 सितंबर तक दूसरा अंतरराष्ट्रीय वॉश सम्मेलन भी आयोजित होगा। इसमें पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता ढांचे, स्वच्छता संबंधी व्यवहार और जनसमस्या से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। सम्मेलन में बड़े स्तर पर लागू किए जा सकने वाले, किफायती और टिकाऊ समाधानों पर जोर रहेगा।

गुरुग्राम में अडानी रियल्टी मैनेजर हत्याकांड में ठगी के मामलों का खुलासा

आरोपी संयम सचदेवा पर पुराने दोस्त से 1.2 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप

गुरुग्राम। अडानी रियल्टी के 31 वर्षीय प्रबंधक युवराज सिंह मनचंदा की हत्या की जांच आगे बढ़ने के साथ ही मामले में आरोपियों से जुड़े कथित ठगी के कई मामलों का खुलासा हो रहा है। पुलिस को जांच के दौरान एक व्हाट्सएप संदेश मिला है, जिसमें कथित तौर पर लिखा गया था, अपनी पत्नी को बेच दो या कुछ भी करो, लेकिन यह पैसा चुका दो।" इस संदेश के सामने आने के बाद आरोपी अन्या वत्स और उसके साथी संयम सचदेवा से जुड़े कथित आर्थिक धोखाधड़ी के मामलों की भी जांच तेज हो गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, संयम सचदेवा पर अपने पुराने विद्यालय के एक दोस्त से 1.2 करोड़ रुपये की कथित ठगी करने का भी आरोप है। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज



कराई गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, सितंबर 2024 में उसे व्हाट्सएप के माध्यम से प्रवर्तन निदेशावली के नाम से एक फर्जी नोटिस भेजा गया था। आरोप है कि सचदेवा ने अपने ऊंचे संपत्कों का हवाला देते हुए मामले को निपटाने की पेशकश की। इसके बाद कथित तौर पर अन्या वत्स के बैंक खाते में 1.2 करोड़ रुपये जमा कराए गए। शिकायत के मुताबिक, बाद में सचदेवा ने पीड़ित से 26 करोड़ रुपये और मांगे। उसने कथित तौर पर दावा किया कि मामले को

निपटाने के लिए 13.8 करोड़ रुपये सरकारी एजेंसियों को दिए जा चुके हैं। इसी दौरान शिकायतकर्ता को कथित तौर पर व्हाट्सएप पर एक संदेश मिला, जिसमें उससे रकम लौटाने के लिए दबाव बनाया गया था। जांच में यह आरोप भी सामने आया है कि सचदेवा ने गृह मंत्रालय के नाम से फर्जी नोटिस तैयार किए थे। पुलिस को सचदेवा की अलग रह रही पत्नी से जुड़े एक संपत्ति विवाद की भी जानकारी मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रेटर नोएडा में करीब 4.5 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर भी कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस संबंध में सचदेवा की पत्नी की ओर से घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि क्या युवराज सिंह मनचंदा को आरोपियों की इन कथित गतिविधियों और आर्थिक मामलों की जानकारी थी।

स्कूल परिसर में शिक्षिका की हत्या के बाद युवक ने खुद को मारी गोली

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी जिले के शहपुरा कोठी चौराहा स्थित चिल्ड्रेन्स एकेडमी में सोमवार सुबह एक युवक ने स्कूल परिसर में महिला शिक्षक को गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने भी खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी (डीएम) अंजनी कुमार और पुलिस अधीक्षक (एसपी) ख्याति गर्ग पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जांच में पता चला है कि नौरंगाबाद निवासी मोहम्मद साउद (28) सोमवार को चिल्ड्रेन्स एकेडमी स्कूल आया था। यहां पर वह पहली मंजिल के कॉरिडोर में पहुंचा तो उसकी मुलाकात स्कूल की शिक्षिका निशात फातिमा (26) से हुई। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई, जिसके बाद अचानक साउद ने अपनी पिस्तौल निकाली और शिक्षिका को गोली मारकर हत्या कर दी। शिक्षिका को गोली मारने के तुरंत बाद उसने अपनी कनपटी पर रखकर गोली चला दी।

दिल्ली और वाराणसी के बीच जल्द चलेगी नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन



दीपावली तक शुरू होने की उम्मीद, 16 डिब्बों में होगी 823 यात्रियों की क्षमता

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे दिल्ली-वाराणसी मार्ग पर एक और वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित सेवा यात्रियों को तेज और अधिक आरामदायक रात्रिकालीन यात्रा का विकल्प उपलब्ध कराएगी। यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज और कानपुर होते हुए नई दिल्ली पहुंचेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन का अधिकांश सफर रात के समय पूरा होगा और इसके दीपावली तक शुरू होने की उम्मीद है। प्रस्तावित समय-सारिणी के अनुसार, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन वाराणसी कैंट से रात 9 बजकर 20 मिनट पर रवाना होगी। यह रात 10 बजकर 45

अधिकतम गति 130 से 160 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहने की उम्मीद है। हालांकि, वास्तविक गति मार्ग पर पटरियों की स्थिति और सुरक्षा मानकों पर निर्भर करेगी। अर्ध-उच्च गति वाली इस ट्रेन के संचालन से दिल्ली, प्रयागराज और वाराणसी के बीच यात्रा का समय कम होने की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, प्रस्तावित ट्रेन का परीक्षण इसी महीने शुरू किया जा सकता है। दीपावली के आसपास नियमित सेवा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। त्योहारों के मौसम को देखते हुए परीक्षण और परिचालन संबंधी मंजूरियों की प्रक्रिया पर काम चल रहा है। हालांकि, रेलवे बोर्ड ने अभी ट्रेन संख्या, अंतिम समय-सारिणी, किराया और नियमित परिचालन शुरू होने की निश्चित तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। इसलिए प्रस्तावित समय-सारिणी और संचालन संबंधी अन्य विवरणों में बदलाव संभव है। प्रस्तावित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का रखरखाव उत्तर रेलवे द्वारा किए जाने की जानकारी है।

BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

24/7 SERVICE

✓ CONSTRUCTION

✓ RENOVATION

✓ DESIGNING

✓ CONSULTATION

✓ PLANNING

✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM



सम्पादकीय

दमन के तरीके का उलटा परिणाम

सत्ता के ऊपरी हलकों तक शायद यह संदेश पहुंचा है कि दमन के तरीके का उलटा परिणाम हो सकता है। इसलिए अब युवाओं के प्रति संवेदनशील होने का संकेत दिया जा रहा है। यह स्वागतयोग्य है। कॉकरोच आंदोलन के तहत युवाओं की लामबंदी का सत्ता प्रतिष्ठान पर कितना प्रभाव हुआ है, इसकी झलक सोमवार को सामने आई। 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल नौजवानों पर हुए मुकदमों को वापस लेने के मामले में केंद्र पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कॉकरोच जनता पार्टी ने पांच सितंबर को दिल्ली में फिर मार्च आयोजित करने का एलान किया है। दिल्ली पुलिस ने संकेत दिया था कि ब्रिक्स+ शिखर सम्मेलन की जारी तैयारियों के कारण इस कार्यक्रम को इजाजत देना कठिन होगा। यही दलील देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई कि शिखर सम्मेलन से एक हफ्ता पहले इस आंदोलन से कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है, अतः इस पर रोक लगाई जाए। मगर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने अर्जी ठुकरा दी। कहा कि फिलहाल ऐसा मानने का कोई ठोस आधार नहीं है कि युवाओं के मार्च से कानून- व्यवस्था की स्थिति बिगड़ेगी। कोर्ट ने कहा कि कानून- व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और कोर्ट भरोसा है कि सरकार कानून के दायरे में रहकर यह काम करेगी। हाल-फिलहाल में जनतांत्रिक अधिकारों के पक्ष में कोर्ट का ऐसा दो-टुक़ रुख कभी-कभार ही देखने को मिला है। बहरहाल, कोर्ट का यह रुख सामने आने के बाद जो हुआ, वह और भी महत्वपूर्ण है। दिल्ली पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका देकर गुजारिश की कि वह अनुच्छेद 142 के तहत संविधान से मिले विशेष अधिकार का इस्तेमाल कर कॉकरोच आंदोलन के दौरान दर्ज सभी प्राथमिकियों को रद्द कर दे। कोर्ट ने इस याचिका पर सकारात्मक रुख दिखाया। यह घटनाक्रम युवाओं की उभरी शक्ति को मिसाल है। गुजरे महीनों में जिस पैमाने पर छात्र- युवा असंतोष गुजकों पर दिखा है, उसने यह भ्रम तोड़ दिया है कि सरकारी मशीनरी के अत्यधिक उपयोग से असहमति और प्रतिरोध को हमेशा के लिए दबाए रखा जा सकता है। सत्ता के ऊपरी हलकों तक संभवतः यह संदेश पहुंचा है कि दमन के तरीके का संभवतः उलटा परिणाम होगा। इसलिए अब युवाओं के प्रति संवेदनशील होने का संकेत दिया जा रहा है। यह स्वागतयोग्य है।

पर्वतारोहण से कमाई के फेर में नेपाल

अ. सुधीर खलसेना

पर्वतारोहण में शेरपाओं की कुशलता की दुनिया कायल है। पर्वतारोहण का ताजा और रोचक प्रसंग यह है कि पर्वतीय राष्ट्र नेपाल पर्वतारोहण से कमाई के फेर में पड़ गया है। यह खबर ज्यादा पुरानी नहीं, बल्कि पिछले साल की है। गत वर्ष 12 अगस्त को खबर आई थी कि नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये पर्वतारोहण का सहारा लगा। अपनी इस नयी नीति के तहत उसने आगामी दो वर्षों के लिये दूरदराज के इलाकों में हिमालय की 97 चोटियों पर चढ़ाई को मुफ्त करने की बात कही थी, लेकिन तुरां यह कि उसी साल सितंबर से नगाधिराज हिमालय की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट पर पीक सीजन में चढ़ाई के लिये परमिट फीस बढ़ाकर 15000 डालर कर दी गयी थी। गौरतलब है कि पर्वतारोहण नेपाल के लिये विदेशी मुद्रा कमाने का बड़ा जरिया है। पिछले साल पर्वतारोहण से उसे 5.9 मिलियन डालर की कमाई हुई थी। इसमें तीन-चौथाई से अधिक योगदान माउंट एवरेस्ट का था। सन 2024 में एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिये चार सौ से भी अधिक परमिट जारी किये गये थे।



कि हिमाच्छादित एवरेस्ट को पर्वतारोहियों की भीड़ का सामना करना पड़ रहा है, जिसका उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि 8849 मीटर से अधिक ऊंची चोटी एवरेस्ट हाल के सालों में भीड़भाड़, पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं और चढ़ाई के दम्यान कई जानलेवा हादसों से जूझ रही है। अप्रैल, सन 2024 में नेपाल की सर्वोच्च न्यायालय ने नेपाल सरकार को एवरेस्ट और अन्य अनेक चोटियों के लिये जारी किये जाने वाले परमिटों की संख्या सीमित करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पहाड़ों की क्षमता का सम्मान किया जाना चाहिये, लेकिन पहाड़ों से कमाई के चक्के के फेर में सरकार के कागों पर जूँ नहीं रेंगी। फलतः उसने सुप्रीम कोर्ट के परवाने को बलाये ताक रखकर परमिट काटना बदस्तूर जारी रखा। उसने इनकम जेनरेट करने की तालिका बनाई। तदनुसार अप्रैल-मई के मुख्य सीजन के अलावा शेष अवधि में जो आरोहण परमिट जारी किये गये थे। कह सकते हैं

नवंबर के बीच एवरेस्ट चढ़ाई की फीस 7500 डालर और और दिसंबर से फरवरी के मध्य 3750 डालर तय कर दी। दिसंबर, 25 तक सभी रास्तों से एवरेस्ट पर 13737 बार चढ़ाई हुई इसमें 6656 क्लायंट और 7081 क्लाइंबर शामिल थे। सफलता की दर 50 प्रतिशत से भी कम रही। लोकप्रिय दक्खिनी रास्ते पर सबसे ज्यादा मौतें हुई। नेपाल की तरफ जिन 116 पर्वतारोहियों की मृत्यु हुई, उनमें 51 फीसद वे लोग थे, जो एक्स्ट्रा आक्सीजन का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे। तिब्बत की तरफ ऐसी 41 मौतें हुई। सन 2000 के बाद से एवरेस्ट पर चढ़ने वालों की संख्या में जबदस्त उछाल आया है। इससे एवरेस्ट प्रदूषण की गिरफ्त में है। सैलानियों और पर्वतारोहियों द्वारा छोड़े गये हजारों किलो कचरे, प्लास्टिक, आक्सीजन सिलेंडरों और मानव अपशिष्ट के कारण इसे दुनिया का सबसे ऊंचा कचरा घर कहा जाने लगा है। दिक्रत यह है कि कमाई के फेर में कचरा के इच्छुक हैं, उनके लिये सितंबर से

प्रधानमंत्री मोदी जी 25 वर्षों के सेवा से संकल्प को जनमानस का आभार

अ. ओम प्रकाश उडरिया

कुछ अवसर केवल कैलेंडर की तारीख नहीं होते, वे स्मृतियों, भावनाओं और संकल्पों को एक साथ जोड़ने वाले पड़ाव बन जाते हैं। 17 सितंबर ऐसा ही एक अवसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के साथ इस वर्ष उनकी 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा-यात्रा का संदर्भ जुड़ रहा है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई शासन-यात्रा से लेकर देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सार्वजनिक दायित्व निभाने तक का यह कालखंड भारतीय लोकतांत्रिक जीवन में एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। इसी उपलक्ष्य पर ‘आशीर्वाद का दीया’ जनमानस के आभार और संकल्प की एक आत्मीय अभिव्यक्ति के रूप में सामने आ रहा है। दीप भारतीय संस्कृति में केवल प्रकाश का प्रतीक नहीं है, वह शुभकामना, आशा और संकल्प का भी प्रतीक है। जब 17 सितंबर की शाम घर-घर ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रज्वलित होगा, तो उसके प्रकाश में बीते 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा-यात्रा की स्मृतियां और आने वाले भारत के प्रति नागरिकों की आकांक्षाएं एक साथ दिखाई देंगी। यह दीप उस भाव को अभिव्यक्त करेगा जिसमें जनमानस अपनी शुभकामनाओं के साथ राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प भी दोहराता है। पिछले वर्षों में जनधन, उज्ज्वला, स्वच्छ भारत, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, पीएम-किसान और स्टार्टअप इंडिया क्लोकल-फॉर-लोकल और एआई की उपयोगिता को बढ़ावा जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से शासन और नागरिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के प्रयास किए गए हैं। इन पहलों की उपलब्धियों और प्रभावों पर अलग-अलग मत हो सकते हैं, लेकिन इनका एक साझा पक्ष यह है कि इन्होंने विकास और जनभागीदारी की चर्चा को देश के गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा और सामान्य परिवार के जीवन से जोड़ने



का प्रयास किया। ‘आशीर्वाद का दीया’ इसी व्यापक जनभावना को एक प्रतीकात्मक रूप देता है’सेवा के प्रति आभार, वर्तमान के प्रति जिम्मेदारी और विकसित भारत /2047 के लिए सामूहिक संकल्प का है।’ एक दीप जब दूसरे दीप से जुड़ता है तो प्रकाश बढ़ता जाता है। उसी तरह नागरिकों की छोटी-छोटी सहभागिताएं मिलकर राष्ट्र निर्माण के बड़े संकल्प को शक्ति देती हैं। यही इस दीप की सबसे बड़ी सार्थकता है। 17 सितंबर को ‘आशीर्वाद का दीया’ इसी अभियान का आत्मीय और सांस्कृतिक प्रतीक है। भारतीय परंपरा में दीप केवल प्रकाश का साधन नहीं, बल्कि आशा, ज्ञान, सकारात्मकता और संकल्प का प्रतीक रहा है। जब कोई दीप किसी शुभ अवसर पर जलता है तो उसमें केवल तेल और बाती का प्रकाश नहीं होता, उसमें शुभकामनाओं और बेहतर भविष्य की कामना भी जुड़ी होती है। इसी भाव के साथ ‘आशीर्वाद का दीया’ 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा के प्रति नागरिक आभार और राष्ट्र निर्माण के अगले चरण के लिए सामूहिक संकल्प का प्रतीक बनता है। पिछले वर्षों में देश में अनेक ऐसी योजनाएं और सुधार लागू हुए हैं, जिनका सीधा संबंध सामान्य नागरिक के जीवन से है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने करोड़ों लोगों को औपचारिक बैंकिंग और स्वरोजगार व्यवस्था से जोड़ने

में भूमिका निभाई। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और डिजिटल भुगतान के विस्तार ने सरकारी सहायता तथा आर्थिक लेन-देन की व्यवस्था को अधिक डिजिटल बनाया। डिजिटल इंडिया के माध्यम से सरकारी सेवाओं और तकनीक की पहुंच को व्यापक बनाने पर जोर दिया गया। आज डिजिटल माध्यम सामान्य नागरिक के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवार की महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में पहल हुई। जल जीवन मिशन ने ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने को प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों के पक्के घर के सपने को पूरा करने का प्रयास हुआ। आयुष्मान भारत ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा बढ़ाया। इन पहलों ने विकास के उस दृष्टिकोण को सामने रखा जिसमें बुनियादी सुविधाओं को नागरिक जीवन की गरिमा से जोड़ा गया। किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी प्रत्यक्ष सहायता योजना लागू की गई। स्टार्टअप इंडिया और नवाचार से जुड़ी पहलों ने युवाओं को रोजगार खोजने वाले से रोजगार देने वाले बनने की दिशा में प्रोत्साहित किया। मेक

इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन जैसी पहलों ने देश में विनिर्माण और घरेलू उत्पादन की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। वस्तु एवं सेवा कर जैसे आर्थिक सुधारों ने देश के कर ढांचे में व्यापक परिवर्तन किया। नई शिक्षा नीति, अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना जैसे कदमों ने भी बदलते भारत की नई तस्वीर को आकार दिया है। इन पहलों की चर्चा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी सरकार की नीतियों का वास्तविक अर्थ तब सामने आता है, जब उनका प्रभाव नागरिक के दैनिक जीवन में दिखाई देता है। एक बैंक खाता खुलना, घर तक पानी पहुंचना, गरीब परिवार को पक्का आवास मिलना, किसान को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलना, डिजिटल माध्यम से भुगतान होना या युवा का अपना उद्यम शुरू करना ये सभी बदलाव विकास को आंकड़ों से निकालकर व्यक्ति के जीवन से जोड़ते हैं। आज भारत के सामने अगला बड़ा लक्ष्य विकसित भारत 2047 का है। स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की यह परिकल्पना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। इसमें किसान, श्रमिक, युवा, महिला, उद्यमी, विद्यार्थी, वैज्ञानिक, कर्मचारी और समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए ‘सेवा संकल्प अभियान’ का मूल संदेश भी जनभागीदारी से जुड़ता है। 17 सितंबर की शाम जब ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रज्वलित होगा, तब वह दीप बीते 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा-यात्रा के प्रति आभार का प्रतीक होगा, लेकिन उसका प्रकाश केवल अतीत तक सीमित नहीं रहेगा। वह आने वाले भारत की आकांक्षाओं को भी रोशन करेगा। एक दीप से दूसरे दीप का जलना उस विचार का प्रतीक है कि राष्ट्र निर्माण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता की सतत प्रक्रिया है। लेखक सहा. ञजनसंपर्क अधिकारी (जनसंपर्क) हैं।

राशिफल

मेष राशि:मेष राशि वालों आज गुरु की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। साथ ही आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आप कारोबार में कुछ परिवर्तन करने की कोशिश करेंगे, जिसका आपको बड़ा लाभ मिलेगा। आज किसी महत्वपूर्ण मामले पर कुछ खास व्यक्तियों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा लाभ लेना चाहिए।

वृष राशि:वृष राशि वालों आज माता-पिता की मदद मिलने से आपका काम पूरा होगा। आज आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही आज उधार के लेन-देन से आपको जरूर बचाना चाहिए। आज किसी जरूरी काम में सफल होने से आपकी प्रशंसा दूर-दूर तक होगी।

मिथुन राशि:मिथुन राशि वालों, आज आपको शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबसे बहुत पसंद आएगी और आपको बड़े स्तर पर काम करने को मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी, आपको सुख-सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

कर्क राशि:कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी और वलाइंट के साथ आपके रिश्ते मजबूत बनेंगे। आज आपका दायित्व जीवन सुशियों से भरा रहेगा, बच्चे भी खेल-कूद में मग्न रहेंगे।

सिंह राशि:सिंह राशि वालों आज संतान सुख की प्राप्ति होने का योग बना हुआ है। आज आपको आपके विचारों से प्रभावित होंगे और मन-मुतबिब्ब का पूरे होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपको अधिकारी वर्ग से बातचीत करते समय सावधानी रखनी चाहिए, जिससे आपका काम जल्दी से निपट जाए।

कन्या राशि:कन्या राशि वालों आज कही कही हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा। आज आपके अक्षु्रे काम आसानी से पूरे होंगे और परिवार का सहयोग बना रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में आप आगे रहेंगे और असह्य व्यक्तियों की मदद करेंगे, जिससे उनका जीवन सहज हो जाएगा।

तुला राशि:तुला राशि वालों आज आपकी मुलाकात किसी मित्र से होगी। इस मुलाकात से आपका मन बहुत ही प्रसन्न होगा। आज कोई बड़ा फैसला लेने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आज आपको शुभ समाचार मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए तय रहेंगे।

वृश्चिक राशि:वृश्चिक राशि वालों आज आप अपने भविष्य के बारे में सोच-विचार करेंगे। आज परिवार के सदस्यों के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। आज कार्यस्थल पर कलीग का सहयोग मिलने से आपका कार्य समय से पूरा हो जाएगा। साथ ही आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी।

धनु राशि:धनु राशि वालों आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। आज आपको अपने काम पर फोकस करना चाहिए, जिससे ज्यादा से ज्यादा आउटपुट निकल सके। आज किसी रिश्तेदार से आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी, जिससे घर का माहौल सुखलुभा बना रहेगा। आज कोर्ट-कचहरी के मामले में कुछ जरूरी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

मकर राशि:मकर राशि वालों आज रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। आज बच्चों के किसी फैसले को लेकर आप असहमत होंगे, लेकिन उन्हें प्यार से समझाने का प्रयास करें। इस राशि के विचारियों को आज शिथक की तरफ से विशेष मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वे परीक्षा में बेहतर परफॉर्म कर सकेंगे।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। आज आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा, जिससे आपका काम सही समय पर पूरा हो जाएगा। आज आपका मन कला और अनिनय के क्षेत्र में रहेगा, किसी बड़े एंटेर्टॉर्न के माध्यम से आपको आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आप किसी काम की प्लानिंग करेंगे। आज परिवार के साथ आप खुशनुमा पल बिताएंगे। आज आपके व्यवहार से कुछ लोग बेहद प्रभावित होंगे। साथ ही किसी खास मामले में आपको अनुभवी व्यक्ति से सलाह मिलेगी। आज आपके आर्थिक पथ में मजबूती आएगी, जिससे आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आपको किसी शारीरिक समस्या से मुक्ति मिलेगी।

🌸🌻🌹🌷

🌸🌻🌹🌷

🌸🌻🌹🌷

🌸🌻🌹🌷



लोक अदालत आवेदन प्रक्रिया 2026



अगर आपका कोई ट्रैफिक लंबित है या कोई केस कोर्ट में चल रहा है और आप मुफ्त कानूनी सलाह या अपना लंबित माफ़ करवाना चाहते हैं तो आपको लोक कोर्ट में अपना केस लगाना होता है जिसके लिए पहले नालसा लोक अदालत टोकन रजिस्ट्रेशन करना जरूरी होता है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए आपको नालसा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी केस से जुड़ी जानकारी भरनी होती है, और वहीं से आपको टोकन नंबर मिल जाता है। इसी टोकन से आपका केस लोक कोर्ट में लिस्ट होता है। हम आपको नालसा टोकन कैसे प्राप्त करें, लोक कोर्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन कैसे करें, और इससे जुड़ी पूरी प्रक्रिया 2026 में क्या है, इसकी पूरी और आसान जानकारी देंगे। हम आपको स्टेप-बाय-स्टेप सुझावों कि नालसा लोक कोर्ट की वेबसाइट पर टोकन रजिस्ट्रेशन कैसे होता है और आप घर बैठे ही अपना आवेदन कैसे पूरा कर सकते हैं।

लोक कोर्ट टोकन रजिस्ट्रेशन क्या होता है?

नालसा की फुल फॉर्म यानी पूरा नाम है राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण। हिंदी में इसे राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के नाम से जाना जाता है। नालसा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और पिछड़े वर्ग के लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता देने का काम करती है। यह संस्था केस जल्दी निपटाने के लिए लोक अदालत का आयोजन करती है। इसमें ट्रैफिक लंबित, बैंक लोन विवाद, संपत्ति विवाद और पारिवारिक झगड़ों जैसे केस जल्दी और बिना ज्यादा खर्च के समाधान दिए जाते हैं। लोक अदालत में केस लगाने के लिए सबसे पहले टोकन रजिस्ट्रेशन करना पड़ता है। इसे ही नालसा लोक अदालत टोकन रजिस्ट्रेशन कहते हैं। जब आप नालसा की अधिकृत वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करते हैं, तो यह टोकन अपने आप बन जाता है।

नालसा और लोक अदालत किस तरह के

मामलों का समाधान करती है?

नालसा और लोक अदालतें कई तरह के विवादों को निपटाने का काम करती हैं। इनमें शामिल हैं :

- ट्रैफिक चालान माफ़ी
- पारिवारिक विवाद (जैसे तलाक, गुजरा भत्ता, संपत्ति बँटवारा)
- पैसे से जुड़े विवाद (कर्ज, लोन, बैंक से संबंधित केस)
- रोजगार और मजदूरी विवाद
- जमीन या प्रॉपर्टी के शेड
- मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम (मोटर वाहन दुर्घटना दावे)
- सरकारी योजनाओं से जुड़े विवाद
- समझौते योग्य छोटे आपराधिक मामले
- लोक कोर्ट टोकन रजिस्ट्रेशन के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स
- पहचान पत्र (आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस आदि)
- केस से जुड़े डॉक्यूमेंट्स (वाहन आरसी, नामांकन, एग्रीमेंट, बिल, कोर्ट कांपी आदि)
- मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी
- एड्रेस फ़फ़

नालसा टोकन रजिस्ट्रेशन और लोक कोर्ट आवेदन प्रक्रिया 2026

लोक कोर्ट में आवेदन के लिए नालसा टोकन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बहुत आसान है। आपको बस नीचे दिए गए स्टेप्स को फॉलो करना है जो है :

स्टेप 1 : नालसा की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएँ सबसे पहले, नालसा की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएँ। वेबसाइट होमपेज पर आपको दिए गए योग्यता में से लोक अदालत टोकन रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करें।

स्टेप 2 : नया नालसा अकाउंट बनाएँ या लॉगिन करें अगर आप पहली बार आवेदन कर रहे हैं, तो आपको "New User" या "Register Now" पर क्लिक करके एक नया अकाउंट बनाना होगा। नालसा रजिस्ट्रेशन के लिए आपको अपना नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और अन्य सेवाएँ दी गई बेसिक जानकारी देनी होगी। अगर आप पहले से ही रजिस्टर्ड हैं, तो आप सीधे अपने मोबाइल नंबर और OTP से लॉगिन कर सकते हैं।

स्टेप 3 : आवेदन फॉर्म भरें लॉगिन करने के बाद, आपके सामने लोक अदालत आवेदन फॉर्म खुल जाएगा। इस फॉर्म में आपको निम्नलिखित जानकारी भरनी होगी :

- अपनी पर्सनल जानकारी : आपका नाम, पता, आधार नंबर, ईमेल आईडी, और फोन नंबर।
- केस की जानकारी : केस का प्रकार (जैसे – सिविल, क्रिमिनल, पारिवारिक), दूसरे पक्ष का नाम पता, और आपके केस से जुड़ी बेसिक जानकारी।
- डॉक्यूमेंट अपलोड करें : आपको अपने केस से जुड़े डॉक्यूमेंट, जैसे-पहचान पत्र, पते का प्रमाण, चालान नंबर या केस से संबंधित कागज़ात की स्कैंड कॉपी अपलोड करनी पड़ सकती है।

स्टेप 4 : नालसा टोकन जेनरेट करें सारी जानकारी भरने और डॉक्यूमेंट अपलोड करने के बाद, फॉर्म को भेजें। फॉर्म भेजे होते ही आपकी स्क्रीन पर एक नालसा टोकन नंबर जेनरेट हो जाएगा। यह नंबर आपको स्क्र और ईमेल के जरिए भी भेजा जाएगा।

स्टेप 5 : आवेदन की स्थिति ट्रैक करें टोकन मिलने के बाद, आप टोकन नंबर का इस्तेमाल करके कभी भी अपने आवेदन की स्थिति (स्टेटस) ऑनलाइन ट्रैक कर सकते हैं।

नेशनल लोक कोर्ट 2026 : ट्रैफिक चालान

कैसे माफ़ करें - पूरी प्रक्रिया

हममें से बहुत से लोगों का कभी न कभी ट्रैफिक नियमों को तोड़ने के कारण चालान जरूर कटा होगा। बिना हेलमेट बाइक चलाना, सीट बेल्ट न लगाना, तेज रफ्तार में गाड़ी चलाना ये कुछ ऐसी आम व्यवस्थएँ हैं जिनके लिए ट्रैफिक पुलिस अक्सर हमारा चालान काटती है। चालान माफ़ कराने के लिए लोक कोर्ट (नेशनल लोक अदालत) एक अच्छा विकल्प है, जहाँ आप गलत या पुराने चालानों पर सुनवाई करवाकर जुर्माना कम (छूट) या माफ़ करवा सकते हैं। आज के इस लेख में हम जाएंगे कि, लोक कोर्ट क्या है और इसमें चालान कैसे माफ़ होता है? लोक कोर्ट में किन चालानों पर छूट या माफ़ी मिल सकती है? चालान माफ़ी के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स, नियम और प्रक्रिया? कई लोग सही जानकारी न होने के कारण पूरा जुर्माना भर देते हैं, जबकि कुछ लोग चालान को यूँ ही छोड़ देते हैं, जिससे बाद में कानूनी दिक्कतें आ सकती हैं। लोक कोर्ट आसान और कम खर्च में चालान से छुटकारा पाने का एक बहुत ही आसान तरीका है। इसलिए अगर आपका भी कोई चालान कटा हुआ है और आप बिना ज्यादा भागदौड़ के इसे माफ़ करवाना चाहते हैं, तो इस लेख में दी गई

जानकारियों को पूरा जरूर पढ़ें।

लोक अदालत क्या है, और इसमें ट्रैफिक

चालान कैसे माफ किए जाते हैं?

लोक अदालत (लोक अदालत) एक ऐसी कानूनी व्यवस्था है, जहाँ ट्रैफिक चालानों के साथ-साथ कई तरह के छोटे-मोटे कानूनी मामलों को सुलझाया जाता है। इसे जनता की अदालत भी कहा जा सकता है। अगर आपका कोई ट्रैफिक चालान कट गया है, तो आप इसे भरने के बजाय लोक अदालत में जाकर इसे कम करवा सकते हैं या माफ भी करवा सकते हैं।

लोक अदालत में किन ट्रैफिक

चालानों की होती है माफ़ी?

अगर आपके वाहन का ट्रैफिक चालान कट गया है और आप इसे भर नहीं पा रहे हैं या जुर्माने की राशि ज्यादा लग रही है, तो लोक अदालत (लोक अदालत) आपके लिए एक अच्छा मौका हो सकता है। इस अदालत में कुछ खास तरह के चालानों को माफ किया जा सकता है या उन पर लगने वाला जुर्माना कम किया जा सकता है। आइये विस्तार से जानते हैं कि लोक अदालत में किन ट्रैफिक चालानों की माफ़ी हो सकती है? लोक अदालत में मामूली ट्रैफिक उल्लंघन (ट्रैफिक उल्लंघन) से जुड़े चालानों पर राहत दी जाती है। इनमें कुछ इस प्रकार हैं :

- सीट बेल्ट न पहनने पर चालान
- हेलमेट न पहनने पर चालान
- रेड लाइट का पालन न करने पर चालान
- नो-पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने पर चालान
- ड्राइविंग लाइसेंस न होने पर चालान

इन सभी प्रकार के चालानों को लोक अदालत में माफ या कम पढ़ा जा सकता है।

लोक अदालत में किन चालानों की माफ़ी नहीं होती?

लोक अदालत में भले ही ट्रैफिक चालानों में छूट मिलती है, लेकिन कुछ गंभीर उल्लंघनों के लिए कोटे गए चालान माफ नहीं होते। आइए जानते हैं वे कौन से चालान हैं जिनसे माफ़ी नहीं होती :-

- शराब पीकर गाड़ी चलाना (ड्रिंक एंड ड्राइव) : यह एक गंभीर अपराध है और लोक अदालत में ऐसे चालानों पर कोई सुनवाई नहीं होती।
- तेज गति से गाड़ी चलाना (ओवरस्पीडिंग) : तेज गति से गाड़ी चलाना खतरनाक होता है और इससे दुर्घटनाएं (एक्सीडेंट) हो सकती हैं, इसलिए ऐसे लंबित माफ नहीं होते।
- दुर्घटना करके भाग जाना (हित एंड रन) : यह एक आपराधिक मामला है और इसे लोक अदालत में नहीं सुना जाता।
- बार-बार नियम तोड़ना : अगर कोई व्यक्ति बार-बार ट्रैफिक नियम (ट्रैफिक नियम) तोड़ता है, तो लोक अदालत में उसे कोई छूट नहीं मिलती।

2026 में कब-कब मिल लोक अदालत

साल 2026 के लिए लोक अदालत की तारीखें राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा तय की गई हैं। यह अदालतें साल में चार बार लगाई जाती हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग अपने मामलों का समाधान कर सकें। लोक कोर्ट हर राज्य के जिले में जिला कोर्ट, तहसील कोर्ट और हाईकोर्ट में लगती हैं। ये पूरे देश में अलग-अलग समय पर लगाई जाती है, ताकि आम लोग बिना किसी परेशानी के अपने छोटे-मोटे केस बूट सकें।

ऑनलाइन स्टेटस कैसे चेक करें?

अगर आपका लोक कोर्ट में निस्तारण हो सकता है, तो आपको अपने ही जिले की कोर्ट (डिस्ट्रिक्ट कोर्ट) में जाना होगा। आमतौर पर इसके लिए किसी दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं है।

सबसे पहले आपको यह पता करना होगा कि आपके लोक कोर्ट में निस्तारण के लिए योग्य है या नहीं। इसके लिए आप ऑनलाइन अपनी की जानकारी चेक कर सकते हैं।

लोक कोर्ट में चालान माफ़ी के लिए

जरूरी डॉक्यूमेंट क्या है?

अगर आपका ट्रैफिक चालान कट गया है और आप लोक कोर्ट में जाकर इसे माफ करवाना चाहते हैं, तो आपको कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट साथ लेकर जाने होंगे। इन दस्तावेजों के बिना आपका मामला लोक कोर्ट में नहीं सुना जाएगा।

- वाहन से जुड़े डॉक्यूमेंट :
- वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (RC)
- वाहन का बीमा
- वाहन का पॉल्युशन सर्टिफिकेट
- चालक से जुड़े डॉक्यूमेंट :



ड्राइविंग लाइसेंस अगर आप गाड़ी चला रहे थे और चालान कटा है, तो लाइसेंस दिखाना होता है। अगर उस समय आपका लंबित इसलिए कटा था क्योंकि आपके पास लाइसेंस नहीं था, और अगर अब आपके पास आपका लाइसेंस है, तो आप इसे कोर्ट में दिखा सकते हैं।

पहचान पत्र : अपनी पहचान साबित करने के लिए इनमें से कोई एक पहचान पत्र अपने साथ जरूर ले जाएँ :

- आधार कार्ड
- पैन कार्ड
- वोटर आईडी कार्ड
- पासपोर्ट
- कोर्ट और चालान से जुड़े डॉक्यूमेंट :

चालान की कॉपी : चालान की ऑनलाइन या ऑफलाइन कॉपी कोर्ट में अपने साथ ले जाएँ। अगर आपके पास चालान की कॉपी नहीं है, तो परिवहन विभाग की वेबसाइट से इसे डाउनलोड कर लें।

कोर्ट का नोटिस या समन : अगर आपको कोर्ट से कोई नोटिस मिला है, तो उसे भी अपने साथ ले जाएँ। इन सभी जरूरी दस्तावेजों को अपने साथ लेकर जाएँ, ताकि लोक कोर्ट में आपका काम आसानी से हो जाए।

लोक कोर्ट में चालान माफ कैसे करवाए - पूरी प्रक्रिया

लोक कोर्ट में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन से लेकर कोर्ट में पहुँचने तक की पूरी प्रक्रिया बहुत ही आसान है, लेकिन सही जानकारी न होने पर लोग परेशान हो जाते हैं। आइये लोक कोर्ट में लंबित माफ़ी की पूरी प्रक्रिया को आसान भाषा में समझते हैं।

1. ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन : लोक कोर्ट में अपना लंबित माफ़ी या कम कराने के लिए सबसे पहले आपको ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होता है। यह प्रक्रिया बहुत ही आसान है और आप इसे घर बैठे भी कर सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए ये इस प्रक्रिया का इस्तेमाल करें :

स्टेप 1 : सबसे पहले अपने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट या ई-कोर्ट्स पोर्टल पर जाएँ।

स्टेप 2 : इसके बाद लोक कोर्ट या चालान निपटान से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।

स्टेप 3 : फिर अपने लंबित नंबर या वाहन नंबर को दर्ज करें और अपना लंबित नंबर।

स्टेप 4 : इसके बाद रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरें, जिसमें आपका नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जानकारी देनी होगी।

स्टेप 5 : फिर अपने लंबित की डिजिटल कॉपी अपलोड करें (यदि आवश्यक हो)।

स्टेप 6 : इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा (सबमिट) करें और रसीद डाउनलोड करें और उसका प्रिंटआउट ले लें।

ध्यान दें : ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लोक कोर्ट लगने की तारीख से कुछ दिन पहले ही शुरू हो जाता है, इसलिए समय पर आवेदन करें। कई राज्यों में ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट या परिवहन विभाग की वेबसाइट पर भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा मिलती है।

2. अपॉइंटमेंट लेना

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद आपको लोक कोर्ट में पहुँचने की तारीख और समय को तय करना होता है। यह

प्रक्रिया बहुत आसान है और इसे भी ऑनलाइन ही किया जा सकता है। अपॉइंटमेंट लेने के लिए ये करें :

स्टेप 1 : रजिस्ट्रेशन करने के बाद आपको उसी जगह पर लोक कोर्ट में आने की तारीख और समय चुनने का विकल्प मिलेगा।

स्टेप 2 : आप अपनी सुविधा के अनुसार एक तारीख और समय चुनें।

स्टेप 3 : कॉन्टैक्ट कन्फर्म होने के बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक स्क्र या ईमेल मिलेगा।

स्टेप 4 : उस स्क्र या ईमेल में लोक कोर्ट में उपस्थित होने का स्थान और समय दिया जाएगा।

3. टोकन नंबर प्राप्त करना

लोक कोर्ट की प्रक्रिया को सही तरीके से चलाने के लिए हर व्यक्ति को एक अलग टोकन नंबर दिया जाता है। टोकन नंबर प्राप्त करने की प्रक्रिया :

स्टेप 1 : लोक कोर्ट में पहुँचने के बाद रजिस्ट्रेशन कार्डटर पर जाएँ।

स्टेप 2 : अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का प्रिंटआउट या कॉपी दिखाएं।

स्टेप 3 : इसके बाद वहां मौजूद अधिकारी आपको एक टोकन नंबर देंगे, जिसे आपको संभालकर रखना होगा।

स्टेप 4 : यह टोकन नंबर आपके केस की सुनवाई की बारी तय करेगा।

4. लोक अदालत में उपस्थित होना

लोक अदालत में सुनवाई की प्रक्रिया :

- स्टेप 1 : जब आपका टोकन नंबर बोला जाए, तो उसी समय जज के सामने जाएँ।
- स्टेप 2 : उनके सामने अपना चालान और अन्य जरूरी डॉक्यूमेंट (जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन रजिस्ट्रेशन, पहचान पत्र) दिखाएं।
- स्टेप 3 : इसके बाद मामले को सुनवाई होगी, जिसमें आपका चालान माफ किया जा सकता है या जुर्माने में छूट दी जा सकती है।
- स्टेप 4 : अगर किसी कारण से आपका चालान माफ नहीं होता और आपको उसे वही भरना पड़ता है।

5. चालान का सेटलमेंट और रसीद कलेक्शन

यदि लोक अदालत में आपको कम जुर्माना भरने का आदेश दिया जाता है, तो आपको तुरंत पेमेंट करना होगा। पेमेंट की प्रक्रिया :

- स्टेप 1 : कोर्ट परिसर में मौजूद केश काउंटर पर जाएँ और जुर्माना भरें।
- स्टेप 2 : अगर डिजिटल पेमेंट की सुविधा हो, तो PI, डेबिट कार्ड, या ऑनलाइन बैंकिंग से पेमेंट कर सकते हैं।
- स्टेप 3 : पेमेंट के बाद आपको रसीद दी जाएगी, जिसे संभाल कर रखें।

निष्कर्ष : लोक कोर्ट के द्वारा आम लोगों को ट्रैफिक पेमेंट में राहत पाने का एक शानदार मौका मिल रहा है।

अगर आपका कोई पेमेंट आपने अभी तक नहीं भरा है और आप बिना किसी भारी जुर्माने के इसे निपटाना चाहते हैं, तो लोक कोर्ट में जाकर समय इसे माफ या कम करवा ले।

चिकित्सीय लापरवाही के मामलों में मुआवज़े का दावा कैसे करें

आखिरी बार आपके डॉक्टर ने आपके टॉनसिल की दवा एस्पिरिन की आधी खुराक कब दी थी? या पुद्दीन हरा की भरपूर खुराक से अपने पेट को शांत करने की कोशिश की? अब कल्पना करें कि आपका डॉक्टर आपको आंख खराब कर दे और आपको जीवन भर के लिए अंधा बना दे। डरावना लग रहा है? क्या चिकित्सीय लापरवाही हर समय होती रहती है? और यह वास्तविक है।

चिकित्सीय लापरवाही से आप क्या समझते हैं?

चिकित्सीय लापरवाही कार्रवाई का कानूनी कारण है जो तब लागू होती है जब आपका डॉक्टर आपको वह उपयुक्त स्वास्थ्य देखभाल प्रदान नहीं करता जिसके आप हकदार हैं। इसमें सही प्रक्रिया को भूलने जैसी छोटी-छोटी हिलाई से लेकर बड़े मुद्दे शामिल हैं जो अनपेक्षित विनाशकारी परिणामों का कारण बन सकते हैं। मरीज से इलाज रोकना भी चिकित्सीय लापरवाही के दायरे में लाया जा सकता है। वास्तव में, डिस्चार्ज रिपोर्ट में दिए गए उपचार का उल्लेख करना भूल जाना भी लापरवाही माना जा सकता है। चिकित्सीय लापरवाही की ओर इशारा करने वाली किसी भी कानूनी कार्रवाई का अंतिम उद्देश्य आपको हुए नुकसान के बदले पर्याप्त मुआवज़ा दिलाकर, चिकित्सा पेशेवर द्वारा आपको पहुंचाई गई चोट को ठीक करना है।

अपने अधिकारों को जानिए

यह जानना कि छोटी और अक्सर उपेक्षित चूटियाँ क्या हैं, वह क्षेत्र है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। एक उभरता हुआ क्षेत्र चिकित्सा इम्प्लान्टेशन/प्रत्यारोपण है, उस परिदृश्य पर विचार करें जहाँ डिवाइस इम्प्लान्टेशन की प्रक्रिया भयानक रूप से गलत हो जाती है। एक अन्य क्षेत्र जिस पर अक्सर प्रकाश नहीं डाला जाता वह है चिकित्सा उपकरण निर्माताओं की भूमिका। सच्चाई यह है कि अक्सर इन दोषपूर्ण प्रत्यारोपणों के निर्माण में खामियाँ होती हैं – जिनके बारे में उन्हें बनाने वाली कंपनी को पता होता है, लेकिन वे चिकित्सा समुदाय को नहीं बताती हैं। वे हजारों संभावित रोगियों की सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए उत्तरदायी हैं।



इसलिए, न केवल डॉक्टर, जिन पर आप मुआवज़े के लिए आपराधिक मामला या दीवानी मामला दायर कर सकते हैं, बल्कि इन दोषपूर्ण प्रत्यारोपणों के निर्माता भी हैं। अमेरिका और यूरोप में जॉनसन एंड जॉनसन पर दोषपूर्ण पॉलीप्रोपाइलीन इम्प्लान्ट बनाने के लिए लाखों डॉलर का जुर्माना लगने की तैयारी है। इसी तरह, कैन्सर एक अन्य क्षेत्र है जहाँ उपचार में भारी कमी के कारण अक्सर मरीजों को गंभीर और टाले जा सकने वाली चोटें लग जाती हैं। एक मामला जहां डॉक्टरों ने कैन्सर निदान रिपोर्ट की गलत व्याख्या की, उसे भी हाल ही में चिकित्सा लापरवाही माना गया। इस परिदृश्य को समझना आपके मामले को सफल बनाने की कुंजी है।

चिकित्सकीय लापरवाही से कानूनी तौर पर कैसे निपटें

चिकित्सकीय लापरवाही के मामले से निपटने के दो तरीके हैं। सबसे पहले एक सिविल मामला दायर करना होगा जिससे डिफॉल्टरों से वित्तीय मुआवज़ा प्राप्त करना आसान हो जाएगा। दूसरा तरीका चिकित्सीय लापरवाही के गंभीर मामलों के मामले में अपराधिक मामला दर्ज करना

है। लेकिन ध्यान रखने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसे वकील से संपर्क करें जो चिकित्सा संबंधी शर्तों के साथ सहज हो और डॉक्टर द्वारा की जाने वाली चिकित्सा प्रक्रियाओं के बारे में जानता हो – या जिसके पास चिकित्सा लापरवाही के जटिल मामलों से निपटने में पूर्व विशेषज्ञता और अनुभव हो।

आवश्यक दस्तावेज़

राहत पाने की दिशा में अगला कदम अपना मामला तैयार करना होगा। केस तैयार करने से पहले, किसी को केस से संबंधित सभी मेडिकल रिकॉर्ड्स इकट्ठा करने होंगे। इसमें डिस्चार्ज सारांश, निदान रिपोर्ट और की गई चिकित्सा प्रक्रियाओं का कोई अन्य रिकॉर्ड शामिल हो सकता है। इन सभी दस्तावेज़ों को प्राप्त करने के बाद, ऐसे वकील से मिलें जिसके पास ऐसे मामलों को संभालने में आवश्यक विशेषज्ञता हो और जैसा कि पहले उल्लेख किया गया हो, उसे चिकित्सा शर्तों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी हो।

इस मामले से आख़्तिकार क्या उम्मीद की जाए

किसी के मन में अंतिम प्रश्न यह है कि अगर हम मामले को अदालत में पेश करते हैं तो क्या उम्मीद की जाए। चिकित्सीय लापरवाही से निपटने के लिए कानून ने हमें उचित उत्तर उपलब्ध कराए हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले में, एक सरकारी डॉक्टर और अस्पताल को एक छोटे बच्चे के माता-पिता को लगभग 2 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा, जो इलाज करने वाले सरकारी डॉक्टरों की घोर लापरवाही के कारण अंधा हो गया था। मुआवज़ा अंततः चोट की गंभीरता और प्रस्तुत प्रत्येक मामले में लापरवाही की डिग्री पर निर्भर करता है।

चिकित्सीय लापरवाही के मामले में एक

वकील आपकी कैसे मदद कर सकता है?

न्याय की तलाश में आपके हितों को आगे बढ़ाने के लिए चिकित्सीय लापरवाही से संबंधित कानून के क्षेत्र में अनुभवी वकील आवश्यक है।

एक वकील आपको आपके मामले की खूबियों और आगे बढ़ने के लिए सर्वोत्तम कार्य योजना के बारे में सर्वोत्तम सलाह दे सकता है। एक चिकित्सा लापरवाही वकील न केवल आपको अपने अधिकारों और कानून में उपलब्ध उपायों की उचित समझ हासिल करने में मदद करेगा, बल्कि आपके मामले को सर्वोत्तम ढंग से प्रस्तुत करने के लिए इस संबंध में आवश्यक दस्तावेज़ीकरण का प्रबंधन भी करेगा। एक वकील आपके विशेष मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर आपका मामला तैयार करेगा और आपकी ओर से प्रतिनिधित्व और बहस भी करेगा। वह आपको यह बताए में सक्षम होगा कि क्या आपको नागरिक उपचार के लिए जाना चाहिए या आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए, या दोनों। यदि आप एक डॉक्टर हैं और आपके खिलाफ चिकित्सीय लापरवाही का मामला दायर किया गया है, तो एक वकील आपका मार्गदर्शन भी कर सकता है और आपका बचाव भी कर सकता है। इस प्रकार, पहला कदम जो आपको उठाना चाहिए वह है एक वकील से परामर्श करना और कानूनी सलाह लेना ताकि आपको न्याय की राह पर निर्देशित किया जा सके।





बांग्लादेश में 11 दिन के अंतराल में डॉक्टर बेटे और पिता की मौत, दहशत में अल्पसंख्यक हिंदू

ढाका। बांग्लादेश में महज 11 दिनों के अंतराल में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से जुड़े एक युवा चिकित्सक और उसके पिता की असामान्य मौत की घटनाओं ने चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया है। सात सितंबर को सिलहट स्थित किराये के मकान से ब्रह्मणबाड़ीया मेडिकल कॉलेज के 31 वर्षीय चिकित्सक पद्मजीत चक्रवर्ती प्रांत कर्मरे से बरामद किया गया। पूर्णदु चक्रवर्ती का शव मौलवीबाजार शहर के एम. सैफुर रहमान रोड स्थित 'भटे फार्मसी' की दूसरी मंजिल के एक कमरे से बरामद हुआ। मौलवीबाजार मॉडल थाने के उपनिरीक्षक मनोज कुमार सरकार ने बताया कि मौत के



सटीक कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। इससे पहले सात सितंबर को



सिलहट शहर के मिर्जाजंगल इलाके में स्थित किराये के मकान से चिकित्सक पद्मजीत चक्रवर्ती का शव बरामद किया गया था। बताया गया है कि करीब दो वर्ष

पहले उनका विवाह हुआ था और नए मकान में रहने के लिए जाने के अगले ही दिन उनकी असामान्य मौत हो गई। पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या की आशंका जताई है। हालांकि, महज 11 दिनों के अंतराल में पिता और पुत्र की मौत की घटनाओं ने मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। घटनाक्रम को लेकर बांग्लादेश राष्ट्रीय हिंदू महासंघ के महासचिव पलाश कांति दे ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने दोनों मौतों की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है। उनका कहना है कि आत्महत्या और हत्या की आशंका के बीच वास्तविक कारण सामने लाने के लिए पारदर्शी जांच जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े चिकित्सक, शिक्षक, पुलिसकर्मी और पत्रकार भी सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं।

पलाश कांति दे ने ढाका विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर अबुल बरकत की 'राजनीतिक अर्थव्यवस्था' पुस्तक में दिए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए अल्पसंख्यक समुदाय पर कथित अत्याचार, धमकी और उत्पीड़न को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि ऐसी घटनाएं लगातार जारी रहें तो देश में अल्पसंख्यक आबादी के अस्तित्व पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हिंदू समुदाय के खिलाफ होने वाली कई घटनाएं सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ पाती हैं। उनके मुताबिक, भय और असुरक्षा के कारण अनेक पीड़ित या उनके परिवार घटनाओं को सार्वजनिक करने से बचते हैं। उन्होंने हिंदू परिवारों को धमकाने, घरों में आग लगाने और देश छोड़ने के लिए दबाव बनाए जाने जैसे आरोप भी लगाए।

सक्षिप्त समाचार

नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल

आज शाम न्यूयॉर्क रवाना होंगे

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में भाग लेने के लिए रविवार शाम न्यूयॉर्क रवाना होंगे। उनके साथ नेपाली प्रतिनिधिमंडल भी अमेरिका जाएगा। खनाल और प्रतिनिधिमंडल के रविवार शाम 6 बजे न्यूयॉर्क के लिए रवाना होने की जानकारी उनके प्रेस सलाहकार जगदीश्वर पांडे ने दी है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, खनाल संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र के दौरान विभिन्न उच्चस्तरीय बैठकों और मंत्रिस्तरीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान वह अपने समकक्षों तथा विभिन्न देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 14 सदस्यीय नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए 22 सितंबर को अमेरिका के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री शाह 24 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के उच्चस्तरीय खंड में दुनिया के विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, सरकार प्रमुख और वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी।

बांग्लादेश में सिलेंडर फटे, गारमेंट फैक्टरी

में लगी आग, छह की मौत, 20 झुलसे

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका उप नगरीय क्षेत्र अशुलिया के जमगोरा इंडस्ट्रियल इलाके में रविवार शाम कवर्ड वैन में एलपीजी सिलेंडर फटने से छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 लोग घायल हो गए। धमाके इतनी तेज हुए कि एक सिलेंडर तो करीब 200 गज दूर जा गिरा, जिससे सड़क किनारे एक दुकान के अंदर मौजूद महिला की मौत हो गई। इन धमाकों से एक गारमेंट फैक्टरी आग की लपटों से घिर गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, धमाकों के कारण लगी आग ने शाम करीब 6:45 बजे जमगोरा में मौजूद पांच – छह गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। अशुलिया पुलिस ने रविवार देररात बताया कि आग बुझाने के बाद आसपास खोजबीन की गई। इस दौरान रात करीब सवा 11 बजे कवर्ड वैन के अंदर पांच लोगों के शव मिले। उनकी पहचान तुरंत नहीं हो सकी। एक मृतक की 55 वर्षीय जैनव के रूप में हुई। वह गाजीपुर के काशिमपुर निवासी मोहम्मद अली की पत्नी थीं। जैनव अपनी बेटी संजीदा अख्तर से मिलने आई थीं। संजीदा घटनास्थल से करीब 200 गज दूर एक टेलर की दुकान में काम करती हैं। वह दुकान के अंदर खड़ी थीं, तभी एक सिलेंडर टिन की छत्र फाड़कर उनके सिर पर लगा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार, यह घटना जमगोरा में प्रिटी रूफ से जुड़े एक इंडस्ट्रियल इलाके में हुई। डीपीजेड फायर सर्विस के चेयर हाउस इस्पेक्टर सोमेन बरुआ ने बताया कि आग तब लगी जब फैक्टरी में इस्तेमाल के लिए लागू गए सिलेंडर एक कवर्ड वैन से उतारे जा रहे थे। अशुलिया मॉडला और बाल अस्पताल प्रबंध हाकून-उर-रशीद ने बताया कि 26 लोगों को अस्पताल लाया गया। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर लोग फैक्टरी के आसपास के सक्की विक्रेता और पैदल चलने वाले थे। गंभीर रूप से झुलसे दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया।

अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना में अब भी

439 लोग लापता, 877 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित निर्माणाधीन 216 मेगावाट की अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना में अब भी 439 लोग संपर्कविहीन हैं। परियोजना की प्रवर्द्धक नेपाल वाटर एंड एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार, अब तक 877 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है, जबकि 78 लोग संपर्क में आ चुके हैं और 39 लोगों के अब बरामद किए गए हैं। कंपनी के मुताबिक, बाढ़ आने के समय परियोजना स्थल पर नेपाली, कोरियाई, चीनी, भारतीय और अन्य देशों के नागरिकों समेत करीब 1,433 लोग कार्यरत थे। इनमें प्रवर्द्धक कंपनी के अलावा परामर्शदाता ट्रेकवेल और जेड कंसल्ट इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण का काम कर रही कोरियाई कंपनी डूसान, उसके सिविल कार्य के सब-कॉन्ट्रैक्टर पावर चाइना तथा इलेक्ट्रोमेकेनिकल कार्य से जुड़ी एडिंज हाइड्रो समेत अन्य कंपनियों के कर्मचारी शामिल थे। कंपनी ने बताया कि कार्यरत नेपाली और विदेशी नागरिकों की तलाश एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। इसके लिए विभिन्न सरकारी निकायों, सुरक्षा एजेंसियों, तकनीकी विशेषज्ञों, बचाव दलों और संबंधित पक्षों के साथ समन्वय एवं सहयोग किया जा रहा है। कंपनी की ओर से खोज और बचाव अभियान के लिए आवश्यक सभी संसाधन जुटाए गए हैं। परियोजना के बांध स्थल से मुख्य सुरंग की ओर जाने वाले रास्ते में बाढ़ के कारण एक टुक के पलट जाने की भी जानकारी मिली है। बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित परियोजना में शुरू से ही नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल पुलिस, कोरियाई अधिकारी और परियोजना की टीम की संयुक्त भागीदारी में खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। भूमिगत संरचनाओं में फंसे संभावित लोगों की तलाश के साथ-साथ बाहरी इलाकों, पहाड़ियों, गांवों और अन्य संभावित स्थानों पर भी सुरक्षा एजेंसियों तथा संबंधित टीमों के समन्वय में खोज जारी है। खोज एवं बचाव अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रशिक्षित खोजी कुत्तों की टीम, पर्वतारोही बचाव दल और अन्य दक्ष जनशक्ति को भी लगाया गया है। परियोजना की सुरंगों, भूमिगत पावरहाउस और अन्य भौतिक संरचनाओं में लोगों के फंसे होने की संभावना को देखते हुए मलबा और कीचड़ हटाने, संभावित खोज क्षेत्रों की पहचान करने तथा बचाव कार्य को आसान बनाने का काम लगातार किया जा रहा है।

नेपाल-चीन सीमा पर पांच हिमतालों

का होगा तकनीकी अध्ययन

काठमांडू। नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में स्थित संभावित खतरनाक हिमतालों से होने वाले जोखिम को कम करने के लिए चीन के भू-भाग में मौजूद पांच हिमतालों का तकनीकी अध्ययन करने पर दोनों देशों के स्थानीय अधिकारियों के बीच सहमति बनी है। चीन के ताक्लाकोट में हाल ही में हुई बैठक में हिमतालों से नेपाल की ओर उत्पन्न होने वाले संभावित खतरे, सीमा प्रबंधन, व्यापार और बुनियादी ढांचे समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। दुम्फा के प्रमुख जिला अधिकारी भोला नाथ गुरागाईं के अनुसार, दोनों पक्षों ने चीनी हिमालयी क्षेत्र में स्थित हिमतालों की स्थिति का तकनीकी टीम के माध्यम से अध्ययन कराने के लिए अपने-अपने संघीय सरकारों के समक्ष पहल करने पर सहमति जताई। उन्होंने बताया कि संभावित हिमताल विस्फोट (जोएलओएफ) या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुल्ता के हिल्सा, किट सीमा क्षेत्र में नुकसान हो सकता है। इसलिए हिमतालों की स्थिति, उपाय मौजूद पानी की मात्रा, संभावित खतरे और उससे होने वाले प्रभाव का तकनीकी अध्ययन जरूरी है। रसुवा में भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से भारी नुकसान के बाद चीन की ओर से भी हिमतालों और प्राकृतिक आपदा के जोखिम को लेकर चिंता जताई गई और इसी सिलसिले में यह बैठक आयोजित की गई। ताक्लाकोट के स्थानीय अधिकारियों की पहल पर हुई बैठक में नेपाल की ओर से चीनी भू-भाग में स्थित राक्षस ताल, मानसरोवर, गोंजुका, आबुका और सिरिमाल समेत विभिन्न झीलों के बारे में जानकारी साझा की गई। प्रमुख अतिथि अधिकारी गुरागाईं के अनुसार, हिमतालों की स्थिति की निर्यात जानकारी हासिल करने के लिए हेटेलाइट तकनीक के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा हिमपात और मौसम संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा खतरे की स्थिति में समय रहते एक-दूसरे को जानकारी देने के लिए प्रणाली विकसित करने की जरूरत पर भी सहमति बनी।



जर्मनी के म्यूनख में लोग ओक्टोबरफेस्ट परेड में भाग लेते हुए लोग। ओक्टोबरफेस्ट जर्मनी का सबसे बड़ा पारंपरिक उत्सव है।

सीरिया में शृंखलाबद्ध धमाके, गोला-बारूद डिपो निशाने पर

दमिश्क (सीरिया)। उत्तरी सीरिया के अलेप्पो के दक्षिणी ग्रामीण इलाके में अल-ईस में सोमवार तड़के जबरदस्त धमाके हुए हैं। पहला धमाका अल-ईस के पास एक सैन्य ठिकाने पर हुआ। उसके बाद भी इलाके में धमाके होते रहे। बताया जा रहा है कि यह धमाके सीरिया के रक्षा मंत्रालय के गोला-बारूद डिपो में किए गए हैं। सीरिया अरब न्यूज एजेंसी (सना), सीरिया के सरकारी टेलीविजन अल-इखबारिया और अनादोलु एजेंसी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, अलेप्पो सिविल डिफेंस ऑपरेशंस प्रमुख फैसल मोहम्मद अली ने कहा कि

शृंखलाबद्ध धमाकों की वजह से आपात और बचाव दल को घटनास्थल तक पहुंचने में मुश्किल का सामना करना पड़ा। धमाके सीरिया के रक्षा मंत्रालय के गोला-बारूद डिपो में हुए। धमाकों की असल वजह की अभी जांच चल रही है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह धमाके अल-इकार्दा के पास मौजूद गोला-बारूद डिपो में हुए हैं। विवरण जुटाया जा रहा है। स्थानीय सूत्रों के हवाले से कहा गया कि इन धमाकों से इलाके में मौजूद मिसाइल स्टोर करने की छह जगहों पर असर पड़ा।

नेपाल के शेयर बाजार के डेटा सर्वर में समस्या, कारोबार दिन भर के लिए स्थगित

काठमांडू। नेपाल स्टॉक एक्सचेंज (नेप्से) ने आज होने वाले नियमित शेयर कारोबार को स्थगित कर दिया है। नेप्से के अनुसार, 72 कारोबार सदस्य कंपनियों के सर्वर जिन्हें डेटा सेंटर डेटा हब प्राइवेट लिमिटेड में रखा गया है, वहां आज सुबह से तकनीकी समस्या उत्पन्न हुई। समस्या के समाधान के लिए प्रयास जारी रहे, लेकिन अब तक इसे ठीक नहीं किया जा सका है। ऐसी स्थिति में कारोबार संचालित करने पर नेप्से की कारोबार प्रणाली को भी नुकसान पहुंचने की आशंका थी। इसी वजह से स्टॉक ब्रोकर एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने आज का शेयर कारोबार स्थगित करने का अनुरोध किया था।

नेपाल प्रतिनिधि सभा से राष्ट्रीय सेवा दल विधेयक सर्वसम्मति से पारित

काठमांडू। नेपाल की प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय सेवा दल विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। सोमवार को सदन की बैठक में कानून, न्याय तथा संसदीय मामलों की मंत्री सोविता गौतम ने विधेयक को पारित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। इससे पहले विधेयक पर राज्य व्यवस्था तथा सुशासन समिति की रिपोर्ट के आधार पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान उभरे गए सवालों का जवाब देते हुए मंत्री गौतम ने कहा कि विधेयक में बच्चों के अधिकार और हित को प्राथमिकता दी गई है। मंत्री गौतम ने स्पष्ट किया कि नेपाल सरकार को आवश्यकता महसूस होने पर राष्ट्रीय जरूरत के आधार पर किसी भी नेपाली नागरिक या संस्था को राष्ट्रीय सेवा दल के माध्यम से प्रशिक्षण देने और उन्हें राष्ट्र सेवा में तैनात करने की व्यवस्था विधेयक में की गई है। उन्होंने कहा कि

विधेयक का मूल उद्देश्य बच्चों के अधिकारों को सर्वोपरि रखते हुए सभी गतिविधियों को संचालित करना है। उन्होंने कहा कि संविधान से बाहर जाकर कोई कानून नहीं बनाया जा सकता। राष्ट्रीय सेवा दल से संबंधित यह विधेयक भी बच्चों के हित को केंद्र में रखकर बनाया गया है। मंत्री के अनुसार सेवा दल में प्रशिक्षण लेने वाले बच्चों की मानसिक और शारीरिक क्षमता को भी ध्यान में रखा जाएगा और प्रशिक्षण के लिए निर्धारित मार्पदों का पालन करना होगा। विधेयक में विद्यार्थियों को उनके संबंधित विद्यालयों तथा राष्ट्रीय सेवा दल के शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण देने का प्रावधान किया गया है। प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों को सार्वजनिक सेवा, बुनियादी ढांचे के विकास, आपदा प्रबंधन, महामारी नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में स्वयंसेवकों के रूप में परिचालन किया जा सकेगा।

सऊदी अरब के ताइफ और

यानबू को लेकर अमेरिकी

दूतावास का सुरक्षा अलर्ट

रियाद। सऊदी अरब में मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए अमेरिकी दूतावास ने ताइफ और यानबू की यात्रा को लेकर अपने सरकारी कर्मचारियों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दूतावास ने कहा है कि इन दोनों शहरों की यात्रा करने वाले अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को अब विशेष अनुमति लेनी होगी। अमेरिकी दूतावास ने अपने सुरक्षा अलर्ट में इस कदम के पीछे सऊदी अरब में जारी मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों का हवाला दिया है। हालांकि, अलर्ट में ताइफ और यानबू को लेकर किसी विशिष्ट खतरे या संभावित हमले की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। दरअसल, शनिवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने रियाद के मुख्य हवाई अड्डे के आसपास मिसाइल हमला किया था। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के अनुसार, उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने हतियों की ओर से दागी गई मिसाइल को रोक दिया। अमेरिकी दूतावास की ओर से जारी चेतावनी इसी हमले के बाद सुरक्षा स्थिति को लेकर है।

नेपाल के तीन प्रमुख राजमार्गों के विस्तार और सुधार के लिए एडीबी देगा करीब 47 अरब रुपये



काठमांडू। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) नेपाल के तीन प्रमुख राजमार्गों के विस्तार और सुधार के लिए करीब 47 अरब नेपाली रुपये उपलब्ध कराने जा रहा है। इनमें दो राजमार्गों का विस्तार और एक राजमार्ग में सड़क सुरक्षा सुधार का काम किया जाएगा। सड़क विभाग के अनुसार, एडीबी इस परियोजना के लिए कुल 30.50 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 46 अरब 70 करोड़ नेपाली रुपये) उपलब्ध कराएगा। इसमें 28.50 करोड़ डॉलर ऋण और 2 करोड़ डॉलर अनुदान के रूप में होंगे। यह राशि पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के नारायणगढ़डुह्रैटौंडा खंड, पृथ्वी राजमार्ग के मुग्लिनङ्कआबुखैरेनी खंड के विस्तार तथा कर्णाली राजमार्ग की सड़क सुरक्षा और सुधार के लिए खर्च की जाएगी। कुल राशि में से 24.50 करोड़ डॉलर नारायणगढ़डुह्रैटौंडा

सड़क खंड, 3 करोड़ डॉलर मुग्लिनङ्कआबुखैरेनी खंड के विस्तार और 1 करोड़ डॉलर कर्णाली राजमार्ग के सुधार के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। सड़क विभाग परियोजना निदेशालय के परियोजना निदेशक चुडाराज ढकाल के अनुसार, ऋण और अनुदान को लेकर नेपाल सरकार और एडीबी के बीच बातचीत पूरी हो चुकी है। अर्थ मंत्रालय और एडीबी के बीच ऋण समझौता आगामी नवंबर में होने की योजना है। एडीबी की सहूलियतपूर्ण ऋण सहायता से संचालित होने वाली परियोजनाओं में 70 किलोमीटर लंबे नारायणगढ़डुह्रैटौंडा सड़क खंड के विस्तार के लिए टेंडर पहले ही जारी किया जा चुका है। हेटौंडा के राप्ती पुल से चितवन के भरतपुर स्थित गोन्द्राङतक के इस मार्ग को तीन पैकेज में बांटा गया है। पहले पैकेज में



मप्र स्थापना दिवस कृषि विकास और किसान कल्याण पर केंद्रित हो : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस को लेकर बैठक में दिए निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 2026 समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की थीम पर किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। एक नवम्बर को वर्ष 2026 का मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कृषि विकास और किसान कल्याण पर केंद्रित हो। उन्नत कृषि, प्राकृतिक खेती, कृषि में नवाचार आदि पर विशेष रूप से प्रदर्शनियां आयोजित की जाएं तथा कृषि के क्षेत्र में नवाचार करने और उपलब्धियां अर्जित करने वाले कृषकों, उद्यमियों, युवाओं को सम्मानित किया जाए। ये निर्देश मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मध्यप्रदेश स्थापना



दिवस के संबंध में सोमवार को मंत्रालय में हुई बैठक में दिए। बैठक में मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल,अपर मुख्य सचिव अनुप राजन, संजय कुमार शुक्ला, शिवशेखर शुक्ला,पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित संस्कृति तथा अन्य विभागों के

मुख्यमंत्री ने राजौद-केलोद-डबलचौकी मार्ग का किया भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि सड़कें क्षेत्र के विकास और समृद्धि का आधार होती हैं। सड़कें अपने साथ क्षेत्र की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती हैं। गणेश उत्सव और सेवा संकल्प अभियान की मंगल बेला में हटपिपल्या क्षेत्र को विकास की बड़ी सीमागत मिल रही है। लगभग 98 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला 32 किलोमीटर लंबा,राजौद-केलोद-डबल चौकी मार्ग,हट पिपल्या को देवास,इंदौर और बैतूल से जोड़ेगा। यह मार्ग राजौदा से शुरू होकर केलोद होते हुए गाम डबल चौकी में इंदौर बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेगा। इस क्षेत्र के निवासियों का इंदौर और बैतूल आना-जाना आसान होगा। सड़क से क्षेत्र के करीब 25 गांव के 70 हजार गाामीणों को लाभ मिलेगा। देवास जिला मुख्यालय आने-जाने में करीब 40 से 45 किलोमीटर की दूरी कम होगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव देवास जिले के हट पीपल्या विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत राजौद-केलोद -डबल चौकी मार्ग के गाम केलोद में सपन भूमि-पूजन कार्यक्रम को मुख्य मंत्री निवास से वर्तुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने क्षेत्र के लोगों को सीमागत दैते हुए सुखलिया से टिगहिया मार्ग निर्माण की घोषणा की। लगभग 12 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का निर्माण 1140 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। इससे 20 गांव की 20 हजार से अधिक गाामीण आबादी लाभान्वित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलाई गाह में सनोड के विद्यार्थियों के लिए उत्कृष्ट साईंपनी विद्यालय भवन की सीमागत दी गई है। हट पिपल्या के विकास में राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप प्रदेश में सबका साथ-सबका विकास के गाव को चरितार्थ किया जा रहा है। राज्य सरकार प्रदेश में स्थानित योजना अन्तर्गत 50 लाख गाामीण अभिलेखों की निशुल्क रजिस्ट्री करा रही है।

अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जिलों में भी उत्साह और उल्लास के साथ शासकीय भवनों पर स्थापना दिवस पर राज्य स्तर पर गतिविधियों के साथ ही कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सभी एक नवम्बर को रात्रि में रोशनी को जाए।

संगठन सत्ता का माध्यम नहीं,समाज और राष्ट्रसेवा का संकल्प है : अजय जामवाल

भाजपा प्रदेश कार्यालय में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत बैठक को किया संबोधित

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत भोपाल संभाग की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान के कार्यक्रमों में समाज के हर वर्ग की भागीदारी बढ़ाने और सेवा व समर्पण की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। भाजपा नेता जामवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, समर्पण और सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मध्यप्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जा रहा है। अभियान के तहत ‘आशीर्वाद का दीया’ और ‘नमो चित्र सेवा’ सहित कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अभियान को केवल पार्टी कार्यकर्ताओं तक सीमित न रखते हुए समाज के नए लोगों को भी इससे जोड़ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन सत्ता का



माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्रसेवा का संकल्प है। कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा संकल्प यात्रा को प्रभावी बनाने के लिए सक्रियता से काम करना चाहिए। अभियान के तहत प्रदेशभर में सेवा, जनभागीदारी, रचनात्मकता, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर अजय जामवाल ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ विभिन्न वर्गों तक पहुंच रहा है। कार्यकर्ताओं को लाभार्थियों से

लगातार संवाद बनाए रखना चाहिए,ताकि उनकी समस्याओं को जानकारी लेकर समाधान की दिशा में प्रयास किए जा सकें। उन्होंने कहा कि पद और दायित्व मिलने के बाद कार्यकर्ता के व्यवहार में विभ्रमता और सेवाभाव और बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन की कार्यपद्धति में समाज के बीच रहकर उसकी आवश्यकताओं को समझना महत्वपूर्ण है। भाजपा के संस्थापक नेतृत्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रहित, अंत्योदय और

समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का विचार सामने रखा था। कार्यकर्ताओं को सामाजिक समरसता और अंत्योदय के साथ ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के लक्ष्य की दिशा में काम करना चाहिए। अजय जामवाल ने कहा कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकार संगठन की कार्यशैली के केंद्र में हैं। कार्यकर्ताओं को समय-समय पर अपने काम और व्यवहार का आत्मविस्लेषण करना चाहिए। ‘सेवा संकल्प अभियान’ जनभागीदारी और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक विभिन्न कार्यक्रमों के स्थान पर स्वयं तथा अन्य व्यक्तियों के फोटो के अपलोड कर सिम जारी करता था। आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी एवं आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। छतरपुर के थाना गढ़ीमलहरा पुलिस ने ग्राहकों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी सिम एक्टिवेट कर साइबर अपराधों में उपयोग हेतु उपलब्ध कराने वाले आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा फर्जी तरीके से सिम एक्टिवेट कर अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराने का खुलासा हुआ। वहीं सतना पुलिस ने ऑपरेशन के तहत अवैध स्क्रू फोर्जिंग एवं साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में 20 से अधिक अवैध सिम की सप्लाई का खुलासा हुआ। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किए जाने के बाद जेल भेजा गया। टीकमगढ़ पुलिस ने ऑनलाइन फ्रॉड एवं साइबर अपराधों के लिए सिम उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई ऑपरेशन स्क्रख 2.0 के तहत की गई।

साइबर फ्रॉड में प्रयुक्त होने वाले फर्जी सिम कार्ड की सप्लाई चेन खुलासा



मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर फ्रॉड में प्रयुक्त होने वाले फर्जी सिम कार्ड की सप्लाई चेन पर प्रभावी कार्रवाई के लिए ऑपरेशन फास्ट 2.0 चलाया जा रहा है। ऑपरेशन के तहत तकनीकी विश्लेषण एवं साइबर अपराधों से जुड़े डेटा के आधार पर संदिग्ध सिम और उनके पीछे सक्रिय नेटवर्क तक पहुंच बनाई जा रही है। माह में अब तक ऑपरेशन फास्ट2.0 के तहत फर्जी दस्तावेजों, आधार कार्ड, फोटो एवं बायोमेट्रिक का दुरुपयोग कर सिम कार्ड जारी/एक्टिवेट कराने वाले व्यक्तियों,पीओएस एजेंटों एवं ऐसे सिम उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की पहचान कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है।

ग्वालियर में ऑपरेशन के तहत ग्वालियर पुलिस ने फर्जी सिम जारी करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए 09 प्रकरण दर्ज किए हैं। जांच में सामने आया कि आधार, फोटो एवं फिंगरप्रिंट का दुरुपयोग कर फर्जी सिम जारी किए गए, जिनका उपयोग विभिन्न राज्यों में साइबर फ्रॉड से जुड़े मामलों में किया गया। संबंधित मामलों में करीब 12.20 करोड़ के साइबर फ्रॉड से संबंध सामने आया है। वहीं इंदौर पुलिस ने फर्जी सिम के माध्यम से साइबर ठगी करने वाले नेटवर्क का खुलासा करते हुए 151 संदिग्ध सिम की पहचान की, जिनका उपयोग 212 साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों में पाया गया। जांच में जीस-पैट की थोक बिक्री/फेंचाइजी का झंसा देकर ठगी तथा पैसों के तालच में सिम आगे उपलब्ध कराने की कड़ी सामने आई। मामले में 01 आरोपी



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से प्रदेश के सूचना आयोग के पदाधिकारियों ने मुख्य सूचना आयुक्त श्री विजय यादव के नेतृत्व में लोकभवन में सौजन्य भेंट की।

संकट के समय प्रत्येक महिला को सुरक्षा के साथ सम्मान मिलना चाहिए : रेखा यादव

मप्र महिला आयोजन ने काउंसिलिंग से लेकर कानूनी सहायता तक की ली जानकारी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा कि संकट की स्थिति में वन स्टॉप सेंटर पहुंचने वाली प्रत्येक महिला को सुरक्षा के साथ-साथ सम्मान और भरोसे का वातावरण मिलना चाहिए। संकटग्रस्त महिलाओं के साथ संवेदनशीलता आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव सोमवार को भोपाल स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण के बाद अधिकारियों को निर्देश दे रही थीं। उन्होंने महिलाओं की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनते हुए उनके प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रभावी काउंसिलिंग,आवश्यक कानूनी एवं चिकित्सा सहायता तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय से महिलाओं को समय पर राहत और न्याय उपलब्ध कराया जा सकता है। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को लेकर मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग ने वन स्टॉप सेंटर की व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव एवं सदस्य साधना स्थापक ने भोपाल स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर संकटग्रस्त महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही काउंसिलिंग, चिकित्सा,कानूनी सहायता,अस्थायी आश्रय एवं पुलिस



सहायता सहित विभिन्न सेवाओं का जायजा लिया। आयोग की सदस्य साधना स्थापक ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं का उद्देश्य संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना है। इसके लिए काउंसिलिंग, चिकित्सा, कानूनी और पुलिस सहायता के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखना आवश्यक है। आयोग के पदाधिकारियों ने केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए शिक्षावर्गों के त्वरित निवारण, प्रभावी काउंसिलिंग तथा जरूरत के अनुसार चिकित्सा, कानूनी और पुलिस सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सहायता प्राप्त करने के लिए अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए विभागों एवं संस्थागत समन्वय मजबूत होना जरूरी है।

भोजपाल सनातनी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव का आयोजन 12 अक्टूबर से

गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा प्रतिभागियों को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

भोपाल. जम्बूरी मैदान भेल में शारदीय नवरात्रि में आयोजित होने वाले भोजपाल सनातनी गरबा महोत्सव के लिए प्रतिभागियों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों को इस बार बहुत कुछ नया सीखने को मिल रहा है। इस बार प्रतिभागी 5 गरबा शैली, 5 डांडिया और 2 तीन ताली के साथ ही काछी, तिमली, सनेडो, हुड्डो जैसी नई स्टाइल सीख रहे हैं। अहमदाबाद गुजरात से टीम के साथ प्रशिक्षण देने आए प्रशिक्षकों ने बताया कि गुजरात की परंपरागत ढोल को हम यहां पर भी फॉलो कर रहे हैं। हमारी टीम में पुरुष, महिला ट्रेनरों के साथ ही ढोली भी हैं। हमारी टीम लम्बे समय से गरबा की ट्रेनिंग दे रहे हैं। शहर में श्री कृष्ण मंदिर विजय मार्केट बरखेड़ा भेल और गुजराती भवन आनंद विहार स्कूल के सामने, 74 बंगला में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन दोनों सेंटरों पर गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा 500 से ज्यादा प्रतिभागी सुर ताल के साथ अत्याधुनिक गरबा का प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए गुजरात से विशेष प्रशिक्षित टीम को बुलाया गया है। प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान हर

दिन अलग-अलग स्टेप सिखाया जा रहा है। पांच से छह दिनों में ही बहुत कुछ सीखने को मिला है। अब तक कई स्टेप सीख चुके हैं। प्रशिक्षक प्रतिभागियों के साथ तालमेल बिठाकर प्रशिक्षण दे रहे हैं। अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि भोजपाल सनातनी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव का यह तीसरा वर्ष है। पिछले दो वर्षों में शहरवासियों का खासा समर्थन और उत्साह मिला। 9 अक्टूबर तक गरबा प्रशिक्षण दिया जाएगा। 12 से 18 अक्टूबर तक भेल जम्बूरी मैदान में मुख्य गरबा महोत्सव आयोजित होगा। प्रशिक्षण के लिए लगातार प्रतिभागियों की संख्या बढ़ रही है। दोनों सेंटरों पर सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागी अलग-अलग बैच में पहुंचकर सुर ताल के साथ गरबा का प्रशिक्षण ले रहे हैं। महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि जम्बूरी मैदान पर 1 लाख किलो वाट के सारेड सिस्टम और म्यूजिकल बैंड द्वारा गरबे की प्रस्तुति दी जाएगी। गरबा महोत्सव के साथ नौ दिनों तक माता रानी की आराधना होगी। साथ ही बाबा केदारनाथ की भव्य झांकी सजाई जाएगी, जहां शहरवासियों को बाबा केदारनाथ के दर्शन होंगे। विजयादशमी पर हर्षोल्लास के साथ दशरहा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आज बेंगलुरु में टेलीकॉम उद्योग के प्रमुख निवेशकों से करेंगे संवाद

ग्वालियर के टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन को निवेश का नया केंद्र बनाने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को गति देने के लिए राज्य सरकार अब देश के प्रमुख तकनीकी केंद्र बेंगलुरु के उद्योग जागत से सीधे संवाद करने जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव मंगलवार, 22 सितंबर को बेंगलुरु में टेलीकॉम क्षेत्र के प्रमुख उद्योगतियों और निवेशकों के साथ इन्वेस्टर्स राउंड टेबल में ग्वालियर में विकसित किए जा रहे टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। जनसंपर्क अधिकारी बबोता मिश्रा ने सोमवार को बताया कि ताज बेंगलुरु में होने वाले इस संवाद में मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों को ग्वालियर टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन में उपलब्ध निवेश अवसरों, राज्य की औद्योगिक नीतियों और निवेश के लिए राज्य सरकार की ओर से दिए जा रहे सहयोग की जानकारी देंगे। टेलीकॉम उपकरणों के विनिर्माण के साथ इस क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और इससे जुड़े उद्योगों के विस्तार की संभावनाओं पर भी चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि इन्वेस्टर्स राउंड टेबल में ग्वालियर टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन की प्रमुख विशेषताओं और निवेशकों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहनों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलौह तथा दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी निवेशकों के सामने टीएमजेड से जुड़े



अवसरों और नीति समर्थन की जानकारी रखेंगे। कार्यक्रम में टेलीकॉम उद्योग की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करेंगे। टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन में निवेश के इच्छुक उद्योगों के साथ उनके प्रस्तावों और अपेक्षाओं पर भी चर्चा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों के प्रश्नों और सुझावों पर संवाद करते हुए मध्यप्रदेश में निवेश के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और उपलब्ध सधयोग की जानकारी देंगे। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि इन्वेस्टर्स राउंड टेबल में भारत सरकार के संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य प्प. सिंधिया भी शामिल होंगे। केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों तथा उद्योग जागत की सहभागिता से होने वाला यह संवाद ग्वालियर टीएमजेड के विकास और टेलीकॉम विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण होगा।